@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 19 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 11 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

भारत की पहली स्वदेशी एचञएन1 चिकन वैक्सीन 20 नवंबर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे शिवराज



एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भारत की पहली स्वदेशी निष्क्रिय एच5एन1 (क्लेड 2.3.2.1ए) बर्ड फ्लू वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मुर्गियों के लिए विकसित इस वैक्सीन को भोपाल स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (आईसीएआर - एनआईएचएसएडी) ने तैयार किया है। यह देश में इस वायरस के खिलाफ विकसित अपनी तरह की पहली वैक्सीन है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, वैक्सीन को 20 नवंबर को भोपाल स्थित आईसीएआर-एनआईएचएसएडी में राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। यह वैक्सीन देश में फैल रहे एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए स्ट्रेन से मुर्गियों को सुरक्षा देने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

कुलगाम हमले का मास्टरमाइंड एलईटी कमांडर मोहम्मद लतीफ भट ढेर, मस्जिद में छिपा था

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के देवसर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में बुधवार को तड़के वांछित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का कमांडर मोहम्मद लतीफ भट मारा गया। कुलगाम हमले का मास्टरमाइंड मस्जिद में छिपा था। इस सफलता के बाद जवानों में खुशी का माहौल है और सीआरपीएफ के महानिदेशक ने भी सोशल मीडिया पर बधाई दी है। सेना की चिनार कोर्प्स ने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस से मिली खास जानकारी के आधार पर आज सुबह भारतीय सेना, जम्मू और कश्मीर पुलिस और सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) ने कुलगाम के ज़ंगलपुरा इलाके में 'ऑपरेशन ज़ंगलपुरा' शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान आतंकवादी एक मस्जिद में छिप गया। सुरक्षा बलों ने कड़ी सुरक्षा की। आतंकी लतीफ भट को मस्जिद से बाहर निकालने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े।

पुणे में अमित शाह और एकनाथ शिंदे की अहम मुलाकात, महाराष्ट्र की सियासत में चर्चाएं तेज

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बुधधार को यहां अहम मुलाकात हुई। इन दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद राजनीतिक जानकार इस मुलाकात को राज्य के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और सत्तारूढ़ महागठबंधन की भावी रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि बैठक के दौरान महाराष्ट्र के विकास से जुड़े विषयों, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और राजनीतिक परिस्थितियों पर विचार-विमर्श हुआ होगा।

भारत में दो दशकों बाद डब्ल्यूएफई के आयोजन पर बोले पीएम मोदी

अर्थव्यवस्था मजबूत, तेजी से बढ़ रहा पूंजीगत बाजार

'मौजूदा समय में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।'



एजेंसी

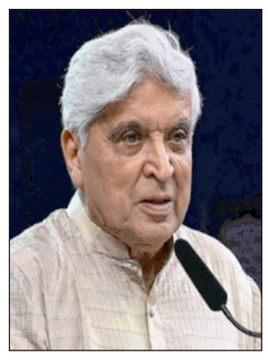
नई दिल्ली । भारत में दो दशकों बाद वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंज्स (डब्ल्यूएफई) की 65वीं जनरल असेंबली और एनुअल मीटिंग के आयोजन पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और हमारा पूंजीगत बाजार भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान, पीएम मोदी ने आयोजक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और डब्ल्यूएफई को बधाई दी और कार्यक्रम में आने वाले प्रतिनिधियों का स्वागत किया। पीएम मोदी ने अपने लिखित संदेश में कहा, 'मौजूदा समय में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। हमारा पूंजीगत बाजार अर्थव्यवस्था के साथ तेजी से बढ़ रहा है। इससे कंपनियों को पूंजी जुटाने, परिचालन का विस्तार करने और विकास के लिए नए अवसरों में भाग लेने का मौका मिला है। ' उन्होंने आगे कहा, 'म्यूचुअल फंड्स जैसे साधनों के जरिए निवेश अब अभूतपूर्व स्तरों पर पहुंच चुके हैं। यह काफी उत्साहजनक है कि अब ज्यादा लोग बाजारों का हिस्सा बन रहे हैं। इससे हमारे नागरिकों को देश के विकास का भागीदार बनने का भी मौका मिल रहा है। ' प्रधानमंत्री ने मुताबिक, पिछले एक दशक में, भारत ने अपनी वित्तीय प्रणाली को अधिक समावेशी और कुशल बनाने की दिशा में काम किया है। बैंकिंग, बीमा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार ने लाखों नागरिकों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जिसमें जेएएम ट्रिनिटी और यूपीआई शामिल हैं) ने यह दिखाया है कि तकनीक किस तरह बड़े पैमाने पर वित्तीय सेवाओं की पहुंच को बदल सकती है।

जावेद अख्तर के 'हर भारतीय के खून में राम' वाले बयान का संतों और नेताओं ने किया समर्थन, बोले–

'राम देश की आस्था के प्रतीक'

एजेंसी

मुंबई । मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर के भगवान राम को लेकर दिए गए बयान पर अब अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं और संतों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जावेद ने कहा था कि भगवान राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि आदर्श, नैतिकता और जीवन जीने का तरीका हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि धर्म कोई भी हो, राम हर भारतीय के खून में हैं। अब अयोध्या के संत सीताराम दास, भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, शिवसेना नेता शायना एनसी और समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने उनके बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अयोध्या में संत सीताराम दास ने जावेद अख्तर के बयान का समर्थन करते हुए कहा, ''भगवान राम का नाम दो अक्षरों का है लेकिन उनकी महिमा अनंत है। सनातन धर्म सभी धर्मों का पिता है। समय के साथ बदलाव के



कारण अलग-अलग पंथ बने और आने वाले समय में भी नए पंथ बन सकते हैं। सनातन धर्म का महत्व सभी के लिए है।''

झारखंड के रांची में भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने भी जावेद अख्तर की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''भगवान राम देश की आस्था के प्रतीक हैं और उनका हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ाव है। जावेद अख्तर की बात को समझने की जरूरत है। देश में रहने वाले कई मुस्लिम परिवारों के पूर्वज हिंदू थे और मुगल शासन के दौरान मजबूरी में उनका धर्मांतरण हुआ था। इस्लाम से राम का इतिहास पुराना है और भगवान राम हर भारतीय के मन में बसे हैं।'' मुंबई में शिवसेना नेता शायना एनसी ने भी जावेद अख्तर की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''जावेद ने ऐसी बात कहने की हिम्मत दिखाई है। भारत में रहते हुए भगवान राम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। इससे बड़ों का सम्मान करना, सच के लिए लड़ना और अपने वादे पूरे करना जैसी सीख मिलती है।''वहीं, अयोध्या में समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भी जावेद अख्तर की बात को सही बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर किसी को टिप्पणी करने से बचना चाहिए और सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए।

सिंचाई विभाग के लंबित मामलों पर सीएम योगी-धामी में बनी सहमति

20 हजार करोड़ की परिसंपत्तियों का विवाद सुलझा

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे से जुड़े वर्षों पुराने विवादों के समाधान की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है। दोनों राज्यों के आपसी सहयोग और समन्वय से अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परिसंपत्तियों से जुड़े विवाद सुलझाए जा चुके हैं। शेष मामलों में सिंचाई विभाग की परिसंपत्तियों समेत अन्य लंबित प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा।

इस संबंध में बुधवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी के बीच हुई बैठक में सहमति बनी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सिंचाई विभाग सहित अन्य लंबित परिसंपत्ति विवादों के समाधान पर विस्तृत चर्चा की।



दरअसल, उत्तराखंड के गठन के बाद से ही उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे, स्वामित्व और उनके उपयोग को लेकर कई मामले लंबित रहे हैं।

बैठक में दोनों राज्यों के बीच लंबित मामलों को आपसी सहमति और समन्वय से जल्द निपटाने पर जोर दिया गया। इस दौरान उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री धामी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, '' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर सिंचाई विभाग सहित अन्य लंबित परिसंपत्ति विवादों के समाधान पर विस्तृत चर्चा की।

दोनों राज्यों के आपसी सहयोग एवं समन्वय से अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के परिसंपत्ति विवादों का समाधान हो चुका है तथा अन्य लंबित प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया भी गतिमान है। आज की बैठक में शेष प्रकरणों का भी यथाशीघ्र समाधान करने पर सहमति बनी। उत्तराखंड के हितों से जुड़े विषयों पर निरंतर सहयोग एवं सकारात्मक पहल के लिए योगी आदित्यनाथ का हार्दिक आभार। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज भी साथ रहे। '

शिवसेना ने सोनिया की किताब फाड़ी

बैन की मांग, सावरकर और मराठी अस्मिता के अपमान का आरोप

एजेंसी

मुंबई। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब को लेकर महाराष्ट्र में विवाद बढ़ता जा रहा है। वीर सावरकर पर की गई टिप्पणियों को लेकर शिवसेना ने विरोध जताया और किताब की पन्ने फाड़े। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय निरुपम और राष्ट्रीय सचिव शाइना एनसी ने मुंबई में बयान जारी कर किताब के कुछ हिस्सों पर आपत्ति जताई। शिवसेना नेताओं ने प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स से किताब के पेज नंबर 201 और 443 हटाने की मांग की है।



संजय निरुपम बोले- बालासाहेब ठाकरे सावरकर का सम्मान करते थे

शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि वीर सावरकर को लेकर पहले भी बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। उनके मुताबिक, उस समय संसद में विरोध हुआ था और इसका असर मुंबई तक पहुंचा था। निरुपम ने बालासाहेब ठाकरे का जिक्र करते हुए कहा कि उनके मन में सावरकर के प्रति बहुत सम्मान था। उन्होंने दावा किया कि शिवाजी पार्क में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान बालासाहेब ठाकरे ने मणिशंकर अय्यर के पुतले पर चप्पल मारी थी। निरुपम ने सवाल उठाया कि आज जो लोग खुद को बालासाहेब ठाकरे की विरासत का उत्तराधिकारी बताते हैं, वे इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि किताब के पेज 201 पर सावरकर के बारे में अपमानजनक बातें लिखी गई हैं। निरुपम ने सावरकर के जेल जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 11 साल तक जेल में यातनाएं झेलीं। शिवसेना इस किताब की निंदा करती है।

वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस ने भी नाराजगी जताई

वाईएसआर कांग्रेस के सांसद मड्डिला गुरुमूर्ति ने सवाल उठाया कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में वाईएस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) के योगदान का जिक्र क्यों नहीं किया। ब्रुस्क ने पदयात्रा के जरिए आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत किया था। उनकी वजह से 2004 और 2009 में कांग्रेस को बड़ी जीत मिली और केंद्र में यूपीए सरकार बनाने में भी मदद मिली।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के लिए सोनिया गांधी के दिल में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि सोनिया की किताब में तेलंगाना का नाम तक नहीं है।

रामलीला मैदान में प्रदर्शन पर रोक की मांग

कारोबार पर असर का दावा, कांग्रेस-आप को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

मुंबई। दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शनों को रोकने की मांग सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। व्यापारियों के संगठनों ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की है।



व्यापारियों का कहना है कि इन प्रदर्शनों से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने व्यापारिक संगठनों की संशोधित याचिका पर संज्ञान लिया है। शीर्ष कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कांग्रेस, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस व्यापारियों के संगठनों की उस याचिका पर जारी किए गए हैं, जिसमें प्रदर्शनों का विरोध किया गया है।

कब होगी सुनवाई?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह 27 नवंबर को प्रदर्शन के पक्ष और विरोध में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

कोर्ट ने अधिकारों को लेकर क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रदर्शन करने के मौलिक अधिकार और कारोबार चलाने के मौलिक अधिकार के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

जयशंकर ने जापान के पूर्व प्रधानमंत्री किशिदा से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को टोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं जापान-भारत एसोसिएशन के अध्यक्ष फुमियो किशिदा से मुलाकात की।

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने जापानी समकक्ष शिंजिरो कोइजुमी के साथ योकोसुका स्थित जापान के समुद्री आत्मरक्षा बल के नौसैनिक अड्डे के लिए रवाना हुए। दोनों मंत्री जापान की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं, जहां वे चौथे भारत-जापान 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय संवाद में हिस्सा लेंगे। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर किशिदा के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि उनके साथ रणनीतिक समानता और आर्थिक सुरक्षा सहयोग पर चर्चा हुई।

उन्होंने भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने में किशिदा के निरंतर समर्थन की सराहना की। किशिदा जापान के पूर्व प्रधानमंत्री होने के साथ-साथ जापान-भारत एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। उनकी यह भूमिका दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।



मुक्त, खुले और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में भारत-जापान साझेदारी अपरिहार्य:जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि मुक्त, खुले और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में भारत और जापान की साझेदारी अपरिहार्य है। दोनों देश प्रमुख एशियाई लोकतंत्र और समुद्री राष्ट्र होने के नाते इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित नौवें भारत-जापान हिंद-प्रशांत मंच को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और जापान इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के प्रयासों की सराहना की।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में की गई राहुल गांधी की टिप्पणियों को भाजपा ने अनर्गल बताया

जब भी संसद का सत्र आने वाला होता है, राहुल गांधी विदेश यात्रा पर चले जाते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कोलंबिया यूनिवर्सिटी में दिये गये बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने उनके बयान को अनर्गल और झूठ बताते हुए देश को शर्मसार करने वाला बताया। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी की अपरिपक्वता किसी से छिपी नहीं है लेकिन नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए विदेशी धरती पर भारत के खिलाफ जहरीले बयान देना गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल



गांधी के ऐसे बयानों से स्पष्ट होता है कि वे भारत विरोधी सोच रखते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के समय पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब भी संसद का सत्र आने वाला होता है, राहुल गांधी विदेश यात्रा पर चले जाते हैं। सवाल उठता है कि क्या वे अपने विदेशी आकाओं से मार्गदर्शन लेने जाते हैं? भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की हर विदेश यात्रा के पीछे भारत की मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर करने की मंशा दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयान देकर राहुल गांधी विदेशी निवेशकों और कंपनियों के मन में भारत को लेकर संदेह पैदा करना चाहते हैं। निवेश के मुद्दे पर राहुल गांधी के सवालों का जवाब देते हुए भाटिया ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निवेश वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके बावजूद राहुल गांधी भारत में निजी निवेश नहीं होने की बात कहकर देश की आर्थिक संभावनाओं पर सवाल उठाते हैं।नक्शे देखें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पिछले 12 वर्षों में लोकतंत्र की मजबूती, अर्थव्यवस्था की प्रगति, युवा शक्ति और वैश्विक पहचान के मामले में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। दुनिया भारत को एक मजबूत लोकतंत्र और तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है।

प्रदूषण से बिगड़ रही सांसों की सेहत, जीटीबी अस्पताल में विशेष ओपीडी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच आंखों में जलन, गले में खराश, लगातार खांसी और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें बढ़ रही हैं। सबसे अधिक खतरा अस्थमा और सांस की पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को है। ऐसे लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में विशेष ओपीडी की सुविधा शुरू की गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इस ओपीडी में प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक मरीज डॉक्टरों से परामर्श ले सकते हैं। यहां खांसी, सांस फूलने, सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं का उपचार किया जा रहा है। जीटीबी की यह ओपीडी पूर्वी दिल्ली के मरीजों के लिए राहत का विकल्प है।

बच्चों और बुजुर्गों को अधिक खतरा

चिकित्सकों के मुताबिक, प्रदूषण के बारीक कण फेफड़ों तक पहुंचकर सूजन और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। डॉक्टरों ने लगातार खांसी, सांस फूलने और सीने में जकड़न को नजरअंदाज न करने की सलाह दी है।

वकीलों को धमकाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को निलंबित दिल्ली पुलिस अधिकारी मनस्वी वशिष्ठ, एक अन्य अधिकारी विकास यादव और गृह मंत्रालय (एमएचए) को नोटिस जारी कर उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें वकीलों को कथित तौर पर धमकाने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांबरे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने उन्हें चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने केंद्र सरकार को ऑनलाइन घूम रहे उन वीडियो की जांच करने और उन्हें हटाने पर विचार करने का भी निर्देश दिया, जिनमें वशिष्ठ को वकीलों के खिलाफ टिप्पणी करते हुए और विकास यादव को वकीलों के खिलाफ एके-47 इस्तेमाल करने की धमकी देते हुए देखा जा सकता है। गौरतलब है कि अदालत ने जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने वाले याचिकाकर्ता को 48 घंटे के भीतर सरकार को सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही सरकार से उन अकाउंट्स की भी जांच करने को कहा, जिनसे ऐसे वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं। इस बीच गृह मंत्रालय की ओर से पेश हुईं वकील ने अदालत को बताया कि वशिष्ठ को 2 नवंबर को निलंबित कर दिया गया था और मंत्रालय उनके खिलाफ चार्जशीट पर विचार और मंजूरी देने की प्रक्रिया में है। वकील ने कहा कि वह इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेंगी। हाई कोर्ट एडवोकेट करण बीर सिंह की उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें वकीलों के लिए सुरक्षा उपायों की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि सेवारत दिल्ली पुलिस कर्मियों द्वारा वकीलों को धमकाया गया, डराया गया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। यह याचिका 2 नवंबर को सहायक पुलिस आयुक्त वशिष्ठ के नेतृत्व में वकीलों के खिलाफ पुलिस विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में आई है। याचिका के अनुसार, एक पुलिसकर्मी ने सार्वजनिक रूप से धमकी दी थी कि वकीलों के खिलाफ एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुंडका में 1500 वर्ग गज में फैले कबाड़ में लगी आग, दमकल की नौ गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार सुबह करीब 1500 वर्ग गज क्षेत्र में फैले कबाड़ में आग लग गई। दमकल की नौ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 5:12 बजे मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया में मेट्रो पिलर संख्या 578 के पास आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। सुबह 5:47 बजे तक दमकल की कुल नौ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई थीं। आग खुले इलाके में रखे कबाड़ में लगी थी, जो करीब 1500 वर्ग गज क्षेत्र में फैला हुआ था। दमकलकर्मियों ने काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग और संबंधित एजेंसियां घटना के कारणों की जांच कर रही हैं।

बाहरी दिल्ली में शर्मनाक वारदात, 9 साल की बच्ची से पड़ोसी की घिनौनी हरकत; माता-पिता के लौटते ही खुला राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आउटर नार्थ दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर इलाके में 9 साल की मासूम बच्ची के साथ कथित छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार देर शाम की है। जानकारी के अनुसार, सुबह से ही मासूम बच्ची के माता-पिता काम पर गए हुए थे। इसी दौरान उसी मकान में रहने वाले अरुण (उम्र करीब 45 से 50 वर्ष) पर अपने कमरे में बुलाकर बच्ची के साथ गलत हरकत करने का गंभीर आरोप है।

मां को रो-रोकर बताई आपबीती

बताया जा रहा है कि माता-पिता के घर लौटने के बाद बच्ची ने अपनी मां को रो-रोकर पूरी आपबीती बताई, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित अरुण को हिरासत में ले लिया है और मामले में आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है, परिवार की मांग है कि बच्ची को इंसाफमिले और आरोपित के खिलाफसख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

दिल्ली : तिलक नगर गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर स्थित एक गुरुद्वारे में सिख धर्मग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लगभग 45 साल का आरोपी पिछले बृहस्पतिवार को नशे की हालत में गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और उसने पवित्र ग्रंथ के पन्ने कथित तौर पर फाड़ दिए। वह जब मंगलवार को गुरुद्वारे लौटा तो वहां मौजूद निहंगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि उस व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 (किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से धर्मस्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) और धारा 299 (किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान करके उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली के 13 रेलवे स्टेशनों का हो रहा है विकास, 8976 करोड़ की परियोजनाओं पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में रेलवे परियोजनाओं पर करीब 8,976 करोड़ रुपये के कार्य चल रहे हैं। दिल्ली के 13 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दिल्ली में रेलवे विकास के लिए 2,711 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट निर्धारित करने के लिए आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, नई रेल सेवाओं, यात्री सुविधाओं के विस्तार और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने से दिल्ली की रेल कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के रेल नेटवर्क को मजबूत बनाने के क्रम में पिछले दिनों नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ करने से दिल्ली और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ और गाजियाबाद होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस ट्रेन में स्वचालित दरवाजे, कवच सुरक्षा प्रणाली और आरामदायक बर्थ जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे पर्यटन, व्यापार, धार्मिक यात्राओं और क्षेत्रीय आवागमन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
अधिकारियों के मुताबिक, बैठक में दिल्ली सरकार के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की गई और प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी तथा कार्रवाई पर जोर दिया गया।
मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने को लेकर भी चर्चा की गई।
गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ सक्रिय है और राजधानी में स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है।



'शीश महल' जनता के लिए खोलना जरूरी था, नेताओं की कथनी और करनी का अंतर सामने आना चाहिए: उदित राज

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के 'शीश महल' को आम जनता के लिए खोलने के फैसले पर कांग्रेस नेता उदित राज ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना जरूरी हो गया था, क्योंकि जनता को यह जानने का अधिकार है कि नेता जो कहते हैं, वास्तव में उनका आचरण उससे कितना अलग है। उन्होंने कहा कि बड़ा बंगला बनाना अपने आप में कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन जिस व्यक्ति ने बड़े बंगले, सुरक्षा और गाड़ियों के काफिले से दूर रहने का दावा किया था, उसी का आलीशान आवास बनना कई सवाल खड़े करता है।
कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जिस समय देश कोरोना महामारी के संकट से गुजर रहा था, उस समय 'शीश महल' का निर्माण कराया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को बदनाम करने और सत्ता से हटाने की राजनीतिक साजिश के दौरान बड़े-बड़े दावे किए गए थे। ऐसे में जनता के सामने नेताओं की कथनी और करनी का अंतर उजागर करना जरूरी है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर सवाल उठाते हुए उदित राज ने कहा कि प्रधानमंत्री वर्षों से विदेश यात्राएं कर रहे हैं, लेकिन इन दौरों से देश को क्या ठोस लाभ मिला है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। भारत की वैश्विक छवि और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के बाद अक्सर केवल उनके स्वागत, मुलाकातों, तस्वीरों और विदेशी नेताओं से गले मिलने की चर्चा होती है, जबकि इन यात्राओं के रचनात्मक परिणामों पर ज्यादा बात नहीं होती।
उन्होंने कहा कि पहले के प्रधानमंत्रियों के विदेश दौरे बहुत ज्यादा प्रचारित नहीं होते थे। उनके आने-जाने की खबरों से अधिक उनके काम और उपलब्धियों पर ध्यान दिया जाता था। उदित राज ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से देश को कौन-से ठोस परिणाम मिले हैं?
पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी के 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते' वाले बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या इसके बाद पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी की एक बूंद भी रोकी जा सकी? उन्होंने कहा कि यदि केंद्र में कांग्रेस या यूपीए की सरकार होती और पाकिस्तान को किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया जाता, तो भाजपा इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाकर विरोध करती। अब भाजपा को भी अपनी नीतियों पर जवाब देना चाहिए।
दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर भी उदित राज ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटाखों के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ा है और राजधानी में अब भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और दमघोंटू हालात बने हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें जिम्मेदारी निभाने के बजाय विपक्ष की तरह धरना-प्रदर्शन करती नजर आती हैं, जबकि दिल्ली में सरकार के पास कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और जिम्मेदारी दोनों हैं।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर: कुशमैन

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर बरकरार है। यहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने यह जानकारी दी।
कुशमैन एंड वेकफील्ड ने कहा कि खान मार्केट भारत का सबसे महंगा प्रमुख खुदरा बाजार बना हुआ है।
न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू लंदन के न्यू बॉन्ड स्ट्रीट को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे महंगा प्रमुख खुदरा बाजार बन गया है।
कंपनी ने कहा, ''दिल्ली का खान मार्केट दुनिया की सबसे महंगी खुदरा कारोबारी सड़कों में 24वें स्थान पर बरकरार है।''
खान मार्केट में खुदरा दुकानों की जगह की मजबूत मांग से किराया सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया।
कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट 'मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026' का यह 36वां संस्करण है। इसमें दुनिया के 147 प्रमुख खुदरा बाजारों में प्रमुख किराये का आकलन किया गया है।
रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया की सबसे महंगी खुदरा कारोबारी सड़क के रूप में फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। यहां सालाना किराया 35 प्रतिशत बढ़कर 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट हो गया। वर्ष 2025 में यह तीसरे स्थान पर था।
लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट 2,230 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद मिलान का विया मोंटेनापोलियोने 2,160 डॉलर प्रति वर्ग फुट किराये के साथ तीसरे स्थान पर रहा। पिछले वर्षों में किराये में उल्लेखनीय वृद्धि के बाद इन दोनों बाजारों में बीते साल किराया स्थिर रहा।
सभी बाजारों में स्थानीय मुद्रा के आधार पर किराये में सालाना औसतन तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह 2025 में दर्ज 4.3 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।
सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे खुदरा बाजारों (49 प्रतिशत) में किराये बढ़े, जबकि 19 प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई। शेष 32 प्रतिशत बाजारों में किराया स्थिर रहा।
कुशमैन एंड वेकफील्ड के वैश्विक आर्थिक शोध संस्थान में अंतरराष्ट्रीय शोध प्रमुख डोमिनिक ब्राउन ने कहा, ''दुनिया भर में किराये की वृद्धि की रफ्तार भले ही धीमी हुई है, लेकिन दुनिया के सबसे स्थापित खुदरा बाजारों में जगह पाने के लिए प्रतिस्पर्धा अब भी काफी कड़ी है।''
ब्राउन ने कहा, ''फिफ्थ एवेन्यू का फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंचना दिखाता है कि जब खुदरा विक्रेताओं की मांग मजबूत हो और उपलब्ध जगह सीमित हो, तो किराये कितनी तेजी से बढ़ सकते हैं।'' भारतीय बाजार के बारे में कुशमैन एंड वेकफील्ड के खुदरा कारोबार-भारत प्रमुख मिलिन रोहिनेश ने कहा कि मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के लगातार विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के दम पर खुदरा बाजार की बुनियाद मजबूत बनी हुई है।
उन्होंने कहा, ''दुनिया के प्रमुख खुदरा बाजारों में खान मार्केट की स्थिति और एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) की रैंकिंग में भारत के प्रमुख खुदरा बाजारों की उल्लेखनीय मौजूदगी यह दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर भारत के खुदरा बाजार की पहचान बढ़ रही है और प्रमुख शहरों में मांग कितनी मजबूत है।''

दिल्ली हाईकोर्ट ने आपराधिक मामलों में विविध आवेदनों पर 15 दिन में आदेश देने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी की सभी आपराधिक अदालतों को निर्देश दिया है कि विविध आवेदनों (मिस्लेनियस एप्लीकेशन्स) पर दलीलें पूरी होने के 15 दिनों के भीतर आदेश सुनाया जाए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपलिया ने यह आदेश करण कपूर की याचिका पर दिया। याचिका में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) के तहत यह बताया गया था कि ट्रायल कोर्ट में दलीलें सुनने के बावजूद आदेश में अनावश्यक देरी हो रही थी। अदालत ने कहा कि देरी बाहरी कारणों जैसे मामलों की अधिकता या साक्ष्यों की कमी के बजाय आंतरिक प्रक्रियात्मक खामियों के कारण होती है। बार-बार स्थगन और स्पष्टीकरण के नाम पर तारीखें लगाना न्याय प्रक्रिया में बाधा डालता है। आदेश देते समय दलीलें न्यायाधीश के दिमाग में ताजा रहनी चाहिए, ताकि जन विश्वास बना रहे। न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 258(1) का हवाला देते हुए कहा कि फैसले 30 दिनों (विशेष कारणों से 45 दिनों तक) में दिए जाने का प्रावधान है। इसी सिद्धांत को विविध मामलों पर भी लागू किया जाना चाहिए। इस आदेश की प्रति दिल्ली के सभी प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को भेजने का निर्देश दिया गया है, ताकि पूरे दिल्ली में एक समान समय-सीमा लागू हो। इससे आपराधिक मुकदमों में अनावश्यक देरी कम होने और न्याय प्रणाली की दक्षता बढ़ने की उम्मीद है।

सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर 21 हजार वर्ग मीटर में बनेगा कमर्शियल हब, एनसीआरटीसी ने आमंत्रित की निविदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के प्रमुख परिवहन केंद्र सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर अब व्यावसायिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलने जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने स्टेशन परिसर में प्रॉपर्टी डेवलपमेंट के लिए निविदा आमंत्रित की है। इस परियोजना के तहत स्टेशन के मौजूदा ट्रैक और संरचनाओं के ऊपर उपलब्ध खाली वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल कर 21,063 वर्ग मीटर का बिल्डेबल एरिया विकसित किया जाएगा।
इस स्थान पर होटल, कार्यालय, को-वर्किंग स्पेस, रेस्तरां, रिटेल आउटलेट और संस्थागत सुविधाओं समेत कई तरह की व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जा सकेंगी। इससे रियल एस्टेट डेवलपर्स और निवेशकों को दिल्ली के एक बेहद महत्वपूर्ण स्थान पर कारोबार शुरू करने का बड़ा अवसर मिलेगा। एनसीआरटीसी की इस पहल का उद्देश्य केवल स्टेशन पर व्यावसायिक निर्माण करना नहीं है, बल्कि इसे एक आधुनिक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट और कमर्शियल हब के रूप में विकसित करना है। इसके लिए एयर-राइट्स डेवलपमेंट मॉडल अपनाया जाएगा। इसके तहत जमीन पर अतिरिक्त जगह की आवश्यकता के बिना मौजूदा परिवहन ढांचे के ऊपर उपलब्ध स्थान का उपयोग किया जाता है। इससे स्टेशन के आसपास की व्यावसायिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा।
सराय काले खां स्टेशन दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का प्रमुख स्टेशन है। इसकी भौगोलिक स्थिति इसे दिल्ली-एनसीआर के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन केंद्रों में शामिल करती है। यहां से दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और वीर हकीकत राय अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) तक यात्रियों को कनेक्टिविटी मिलती है। इसके अलावा रिंग रोड, डीएनडी फ्लाईवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ाव के कारण सड़क मार्ग से भी यहां पहुंचना आसान है।
एनसीआरटीसी के मुताबिक, फरवरी 2026 में परिचालन शुरू होने के बाद से यह स्टेशन दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के प्रमुख यात्री केंद्रों में उभरा है। यहां से दिल्ली के साथ गाजियाबाद, मेरठ और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों की आवाजाही होती है। भविष्य में इस स्टेशन का महत्व और बढ़ने की संभावना है। आने वाले समय में सराय काले खां स्टेशन नमो भारत नेटवर्क के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रस्तावित फेज-1 के दो अन्य प्रमुख कॉरिडोर दिल्ली-गुरुग्राम-बहरोड़ और दिल्ली-पानीपत-करनाल के लिए भी इसे प्रारंभिक स्टेशन के रूप में विकसित करने की योजना है।
इन कॉरिडोर के शुरू होने के बाद दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य शहरों से आने-जाने वाले यात्रियों को इस केंद्र से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या और व्यावसायिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस परियोजना के तहत विकसित होने वाला कमर्शियल स्पेस किसी अलग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तरह नहीं होगा, बल्कि इसे एलिवेटेड स्टेशन के पूरे परिवेश के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसका सीधा जुड़ाव स्टेशन परिसर से रहेगा। ऐसे में यात्रियों को खरीदारी, खान-पान, कार्यालय और अन्य जरूरी सेवाओं के लिए स्टेशन से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वे अपनी यात्रा के दौरान ही इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।
इससे यात्रियों के समय की बचत होने के साथ-साथ स्टेशन परिसर में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सार्वजनिक परिवहन और व्यावसायिक सुविधाओं के एकीकरण से लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करने में भी मदद मिलेगी। यमुना नदी कॉरिडोर के नजदीक स्थित इस परियोजना स्थल के आसपास पर्याप्त खुला क्षेत्र मौजूद है। प्रमुख सड़कों से इसकी दृश्यता भी बेहतर है।
एनसीआरटीसी के अनुसार, इस विकास परियोजना को दिल्ली के मास्टर प्लान-2047 (एमपीडी-2047) के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली और वर्षा जल संचयन जैसी पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा। एनसीआरटीसी का मानना है कि इस परियोजना से सराय काले खां स्टेशन की व्यावसायिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा और दिल्ली-एनसीआर में आधुनिक ट्रांजिट आधारित विकास को बढ़ावा मिलेगा।
वहीं, निवेशकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के लिए अधिक यात्री फुटफॉल और बेहतर लोकेशन के कारण यह एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है। परियोजना में रुचि रखने वाले रियल एस्टेट डेवलपर्स और अन्य इच्छुक बोलीदाता ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं। निविदा से संबंधित पात्रता मानदंड, नियम एवं शर्तें और आवेदन की समय-सीमा की विस्तृत जानकारी एनसीआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट और केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है।

बीमा पॉलिसी पर कर्ज दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जीवन बीमा पॉलिसी के बदले कर्ज दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने बताया कि आरोपियों ने महावीर एन्क्लेव, पालम निवासी एक व्यक्ति से 2.76 लाख रुपये की ठगी की थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित ने 14 जुलाई 2020 को जीवन बीमा पॉलिसी खरीदी थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह उसकी किस्तें जमा नहीं कर पा रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने उससे संपर्क कर बीमा पॉलिसी के बदले कर्ज दिलाने की पेशकश की और उन्होंने खुद को बैंक और बीमा अधिकारी बताकर प्रसंस्करण शुल्क, फाइल चार्ज, निकासी शुल्क, जीएसटी और अन्य खर्चों के नाम पर उससे बार-बार पैसे जमा कराए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित को एक फर्जी संदेश भी भेजा, जिसमें दावा किया गया कि उसके खाते में 41,94,659.83 रुपये जमा किए गए हैं और इस रकम को जारी कराने के लिए और पैसे मांगे। इस तरह पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में 2,76,012 रुपये स्थानांतरित कर दिए।
अधिकारी ने बताया कि हालांकि, उसे न तो कर्ज मिला और न ही रकम वापस की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान तारिफ अनवर (34), अंसार अहमद (47), ओमेश्वर दयाल शर्मा (36) और अमित कुमार शर्मा (36) के रूप में हुई है। इन्हें दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि आरोपी बीमा पॉलिसी धारकों का डेटा जुटाते थे और उन्हें बैंक एवं बीमा अधिकारी बनकर फोन करते थे। ठगी की रकम हासिल करने और उसे आगे स्थानांतरित करने के लिए वे कमीशन पर बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें ठगी से संबंधित चैट, बैंक खातों का विवरण और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। मामले की जांच जारी है।

ठंड बढ़ने के साथ डेंगू का असर घटा, इस माह 90 से 61 पर पहुंचे मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही दिल्ली में डेंगू का प्रकोप भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा है। नवंबर में सामने आ रहे मरीजों के आंकड़े इसकी तस्दीक कर रहे हैं। महज एक पखवाड़े में डेंगू के साप्ताहिक मामलों में करीब एक तिहाई की गिरावट दर्ज की गई है। दो नवंबर को जहां 90 मामले सामने आए थे, वहीं नौ नवंबर को इनकी संख्या घटकर 78 रह गई। अब 17 नवंबर की रिपोर्ट में एक सप्ताह के दौरान डेंगू के 61 मामले दर्ज किए गए हैं। दिवाली के बाद मामलों में आई इस गिरावट को तापमान में कमी के साथ-साथ पटाखों से निकले धुएं से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एमसीडी ताजा की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में इस साल डेंगू के कुल 1,222 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले साल इसी अवधि तक 1,257 मरीज सामने आए थे। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार अब तक 35 मामले कम हैं। हालांकि, आंकड़ों में यह अंतर बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन नवंबर में लगातार घटते साप्ताहिक मामले राहत के संकेत दे रहे हैं। राहत वाली बात है कि वर्ष 2026 में अब तक डेंगू से किसी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। इसके मुकाबले वर्ष 2025 में चार, 2024 में 11 और 2023 में 19 मरीजों की जान गई थी।

अक्तूबर में सबसे ज्यादा बढ़े थे मामले

इस साल डेंगू का असर अक्तूबर में सबसे अधिक देखने को मिला। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 286 मरीज मिले थे, जबकि अक्तूबर में यह संख्या बढ़कर 486 हो गई। नवंबर में 139 मामले दर्ज किए गए हैं। अब साप्ताहिक आंकड़ों में भी गिरावट दिखाई दे रही है। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ मच्छरों की सक्रियता कम होने से आने वाले दिनों में मामलों में और कमी आने की उम्मीद है।

द्वारका पुलिस ने 3 किलो गांजे के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार, चांदी के आभूषण और 59 हजार रुपये बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिले के बाबा हरिदास नगर थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3.032 किलोग्राम गांजा, चांदी के आभूषण और 59 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी को भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 वर्षीय नवीन के रूप में हुई है। आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, द्वारका जिले के डीसीपी आईपीएस कुशल पाल सिंह के निर्देश पर तथा नजफगढ़ सब-डिवीजन के एसीपी राज कुमार की देखरेख में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। बाबा हरिदास नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम में एसआई ध्यानेंद्र प्रताप, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल अमित और कांस्टेबल राजेश भाटी शामिल थे। टीम को इलाके में निगरानी बढ़ाने और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस के अनुसार टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी दिल्ली के नजफगढ़ स्थित बंगाली क्लिनिक के पास गुप्ता मार्केट वाली गली में पहुंचे। वहां एक व्यक्ति स्कूटी पर सफेद प्लास्टिक का थैला लेकर जाता दिखाई दिया।

सोती रही एसआईबी, बिना बिल बिक गए करोड़ों के पटाखे; टैक्स की बड़ी चोरी

आगरा। राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) त्योहार पर सोती रही। बिन बिल के करोड़ों रुपये की आतिशबाजी बिक गई। कच्ची पर्चियों से बड़े पैमाने पर कर की चपत लगने की आशंका है। लेकिन जिले में एसआईबी ने त्योहार के दौरान पटाखा गोदामों पर अवैध बिक्री के सत्यापन या जांच की जहमत तक नहीं उठाई। इस ढिलाई का फायदा उठाकर थोक विक्रेताओं ने बिना बिल के धड़ल्ले से खुदरा बिक्री की। लड़मदा, रायभा और बिचपुरी रोड सहित शहर में 10 से अधिक पटाखा गोदाम हैं। जिनके पास थोक बिक्री का लाइसेंस है, लेकिन इन विक्रेताओं के गोदामों पर त्योहार के दौरान कच्ची पर्चियों से खुदरा बिक्री के लिए बकायदा काउंटर लगाए गए। सस्ते पटाखों के लालच में खरीदारों का हुजूम उमड़ा। नियमानुसार पटाखों की बिक्री पर 18 प्रतिशत जीएसटी देय है, लेकिन इन गोदामों से 10-10 हजार रुपये या उससे अधिक की खरीदारी पर भी ग्राहकों को पक्का बिल देने के बजाय कच्ची पर्चियां ही थमाई गईं। त्योहार पर अवैध कमाई के लालच थोक कारोबारियों ने गोदामों को ही खुदरा आउटलेट में तब्दील कर दिया। एसआईबी की ओर से एक भी दिन आकस्मिक जांच या स्टॉक का भौतिक सत्यापन नहीं किया। ऐसे में सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये के कर चोरी से नुकसान हुआ है।

शराब का पव्वा ने देने पर सेल्समैन को जमकर पीटा, दूध बेचने वाले ने साथियों को बुलाकर की पिटाई

मुरादनगर। यूपी के मुरादनगर स्थित पाइपलाइन मार्ग पर शाहपुर गांव मोड़ के पास स्थित देसी शराब की दुकान पर उधार शराब का पव्वा नहीं देने पर विवाद हो गया। आरोप है कि एक युवक ने अपने साथियों को बुलाकर दुकान के सेल्समैन के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जनपद बागपत के चांदीनगर क्षेत्र के भगौर गांव निवासी सौरभ और संजय मुरादनगर के शाहपुर गांव मोड़ स्थित देसी शराब की दुकान पर काम करते हैं। सौरभ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार को मथुरापुर गांव निवासी एक युवक दुकान पर पहुंचा और उधार शराब का पव्वा मांगा। उधार देने से मना करने पर युवक गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि उसने फोन कर अपने कुछ साथियों को भी बुला लिया। इसके बाद युवकों ने मिलकर सौरभ के साथ मारपीट की और उसे घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। वहीं, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में बुलेट और कुत्ते की जोरदार टक्कर, मां-बेटे घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां कनावनी पुलिस चौकी के सामने तेज रफ्तार बुलेट पर सवार मां-बेटे की अचानक सड़क पर आए कुत्ते से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेट सवार युवक अपनी मां के साथ सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि हादसे में कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, युवक अपनी मां के साथ बुलेट पर जा रहा था, तभी अचानक कुत्ता सामने आ गया और बाइक अनियंत्रित होकर उससे टकरा गई। हादसे के बाद घायल मां-बेटे को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत को देखते हुए उपचार किया जा रहा है। वहीं इस घटना के बाद एक बार फिर सड़क पर अचानक आने वाले आवारा पशुओं और उनसे होने वाले हादसों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अधिकारियों की गलती का खामियाजा छात्र क्यों भुगते, जन्मतिथि सुधारने में समय सीमा बाधा नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जन्मतिथि में सुधार के मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि अधिकारियों की गलती का खामियाजा छात्र को नहीं भुगतना पड़ सकता। यदि स्कूल के अभिलेखों में जन्मतिथि सही दर्ज है और गलती माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के रिकॉर्ड में हुई है तो सुधार के लिए निर्धारित तीन साल की समय सीमा लागू नहीं होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने मऊ निवासी दिलीप सिंह की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने बोर्ड को याची का संशोधित हाईस्कूल प्रमाणपत्र चार सप्ताह के भीतर जारी करने का निर्देश दिया है। याची की जन्मतिथि स्कूल के अभिलेखों में चार अप्रैल 2003 दर्ज थी लेकिन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के रिकॉर्ड में इसे गलती से चार अप्रैल 2002 दर्ज कर दिया गया था। याची ने इस त्रुटि को ठीक कराने के लिए आवेदन किया था। हाईस्कूल प्रमाणपत्र जारी होने के तीन साल बाद आवेदन किए जाने के आधार पर जन्मतिथि में सुधार नहीं किया गया। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

घर के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया बालक, झुलसा

हाथरस। सासन कस्बा के मोहल्ला किशनगढ़ी में अपनी बुआ के घर पर आया सात वर्षीय बालक सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे घर के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सात वर्षीय कार्तिक पुत्र गोपाल निवासी गोपालपुर भूतपुरा कस्बा के किशनगढ़ी में अपनी बुआ के घर अपने पिता के साथ आया था। सोमवार को किशनगढ़ी में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के घर पर मंगलामुखी बेटा पैदा होने की खुशी में नेग मांगने आए थे। कार्तिक अपनी बुआ के घर की छत से मंगलामुखियों को देख रहा था, तभी उसकी हाथ की उंगली ऊपर से निकल रही हाईटेंशन लाइन से टच हो गई। कार्तिक को जोरदार करंट लग गया और उसका हाथ झुलस गया। उसके चीखने की आवाज सुनकर परिजनों ने ऊपर जाकर देखा तो वह गंभीर हालत में छत पर पड़ा था। परिवार के लोग उसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी का कहना है कि परिजनों की तरफ से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी।

जिम के लिए निकले तीन युवकों को ट्रक ने कुचला

फतेहपुर। फतेहपुर के गड़रियनपुरवा इलाके में प्रयागराज रोड पर सोमवार सुबह पांच बजे तेज रफ्तार ट्रक ने जिम जा रहे तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन घरों के चिराग बुझने से मोहल्लों में मातम छा गया। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। तीनों युवक सोमवार सुबह जिम जाने के लिए घर से निकले थे। नेशनल हाईवे-2 पर गड़रियनपुरवा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतकों की पहचान स्पर्श गौतम (19) निवासी चित्रांश नगर, अनुज पाल (19) निवासी विष्णुपुरी कॉलोनी थाना राधानगर और विश्वेश पटेल निवासी तांबेश्वर मंदिर के पास के रूप में हुई है।

पूर्व मंत्री चौधरी सुरेंद्र सिंह की सोच को धरातल पर उतार रही सरकार: श्रुति चौधरी

चंडीगढ़। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमति श्रुति चौधरी ने कहा कि पूर्व मंत्री स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह का जीवन विकास, जनसेवा और दूरदर्शी सोच का प्रतीक रहा है। श्रीमती श्रुति चौधरी आज जिला भिवानी में अपने पैतृक गांव गोलाग ? में चौधरी स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित उनके पुराने साथियों, सहयोगियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चौधरी सुरेंद्र सिंह के साथियों और कार्यकर्ताओं का समर्पण तथा उनके प्रति स्नेह हमेशा याद रहेगा। उन्होंने पुराने भिवानी जिले की जनता का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों ने हमेशा चौधरी बंसीलाल और उनके परिवार को अपना स्नेह, विश्वास और समर्थन दिया है। श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि चौधरी सुरेंद्र सिंह केवल चौधरी बंसीलाल के बेटे ही नहीं थे, बल्कि प्रदेश की राजनीति और विकास की दिशा तय करने में उनकी अहम भूमिका रही। चौधरी बंसीलाल प्रदेश में विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने से पहले सुरेंद्र सिंह के साथ विचार-विमर्श करते थे। दोनों के बीच विकास योजनाओं को लेकर गहरा तालमेल और दूरदर्शी सोच थी। उन्होंने कहा कि पुराने भिवानी जिले की जनता ने हमेशा चौधरी बंसीलाल और उनके परिवार का साथ दिया है। इसके लिए वे क्षेत्र की जनता का तहेदिल से धन्यवाद करती हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग के वर्षों पुराने नहरों, रजवाहों और लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम सहित पूरे सिंचाई तंत्र का नवीनीकरण किया जा रहा है। पुरानी हो चुकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और आधुनिक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। श्रीमती श्रुति चौधरी ने जन्मोत्सव के अवसर पर पहुंचे पुराने साथियों और कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक सफर में कार्यकर्ताओं और जनता का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। चौधरी सुरेंद्र सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाए और विकास को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि चौधरी बंसीलाल और चौधरी सुरेंद्र सिंह की विकासवादी सोच को आगे बढ़ाना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। सिंचाई मंत्री ने कहा कि क्षेत्र की जनता के विश्वास और सहयोग से विकास कार्यों को गति देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। सिंचाई



व्यवस्था का नवीनीकरण हो या क्षेत्र की अन्य जनहितकारी योजनाएं, उनका उद्देश्य आमजन और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की प्रेरणा उन्हें चौधरी सुरेंद्र सिंह से मिली है। वे चाहते थे कि किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंचे और सिंचाई व्यवस्था समय के साथ मजबूत होती रहे। उनकी इसी सोच से प्रेरणा लेकर आज इन व्यवस्थाओं को नया स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने तोशाम क्षेत्र की 13 गौशालाओं को 1.30 करोड़ से अधिक की राशि के चेक भी बांटे। जिन गौशालाओं चैक वितरित किए गए उनमें जितवानवास की श्री शिव मुनि गौशाला, दिनोद की श्री बाबा धुनीवाला गौ सेवा ट्रस्ट, संडवा की श्री खाटू श्याम गौशाला सेवा समिति, ढाणीमाहू की श्री राधा कृष्ण गौशाला ट्रस्ट, पिंजोखरा की जय श्री श्याम गौशाला, तोशाम की बाबा मुंगीपा गौ सेवा ट्रस्ट, दुल्हेड़ी की श्री शिव गौशाला धर्मार्थ समिति, बुशान की महंत नोमीनाथ खेती गौ सेवा पर्यावरण शुद्धता समिति, लोहारू की मां दुर्गा भवानी गौशाला ट्रस्ट, बापोड़ा की बाबा गौशाला संस्था, सांगवान की जय बाबा रामदास गौशाला, लोहारू की यदुवंशी गौशाला सेवा समिति और बजीना की पंच पीर श्री श्री बाबा ठाड़े श्री गौ सेवा धाम शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर गोलागढ़ में कैबिनेट मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में 600 से अधिक लोगों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस पहल का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करवाना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर एसडीएम संदीप कुमार, एडवोकेट हरिसिंह सांगवान, पूर्व चेयरमैन शीशराम, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्लास्टिक की सटरिंग से धधकी फैक्टरी में आग, काले धुएं से घिरा इलाका

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साउथ साइड जीटी रोड स्थित नोवा फॉर्म वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड में रविवार शाम भीषण आग लग गई। फैक्टरी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की सेटरिंग रखी होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। कुछ ही देर में पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग को दूसरे फायर स्टेशनों और अन्य जनपदों से भी गाड़ियां बुलानी पड़ीं। दमकलकर्मियों ने फोम का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार के मुताबिक, रविवार शाम 4:55 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में कोतवाली फायर स्टेशन से पांच दमकल गाड़ियां और वैशाली फायर स्टेशन से दो वाटर बाउजर मौके पर भेजे गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहां आग तेजी से फैल रही थी। दमकलकर्मियों ने तत्काल चार हौज लाइन बिछाकर आग बुझाने का काम शुरू किया। फैक्टरी में प्लास्टिक की सेटरिंग का भारी स्टॉक होने से आग पर काबू पाना चुनौती बन गया। आग की लपटें और धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अन्य फायर स्टेशनों और दूसरे जनपदों से भी दमकल गाड़ियां मंगाई गईं।

थाली पर पड़ी महंगाई की मार, लहसुन 200 पार

ग्रेटर नोएडा। सब्जियों की बढ़ती कीमतों का असर अब लोगों के खानपान पर भी दिखाई देने लगा है। महंगाई के चलते लोगों की थाली से धीरे-धीरे पसंदीदा सब्जियां गायब हो रही हैं। टमाटर, प्याज और लहसुन के बढ़ते दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। ऐसे में लोग अब अपनी पसंद के बजाय जेब के हिसाब से सब्जियां खरीदने को मजबूर हैं। पहले जिन सब्जियों को लोग नियमित रूप से भोजन में शामिल करते थे, अब उनके दाम अधिक होने के कारण उनकी मात्रा कम कर दी है। कई परिवारों ने महंगी सब्जियों की जगह दूसरी सब्जियों को भोजन में शामिल करना शुरू कर दिया है। पिछले एक महीने में सब्जियों के दाम में काफी उछाल आया है। टमाटर 40 रुपये से बढ़कर 70 से 75 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। लहसुन 170 से बढ़कर 210 से 220 रुपये और प्याज 50 से बढ़कर 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

डॉ विवेक को मिला डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय सम्मान

जयपुर के चाईल्ड स्पेशलिस्ट डॉ विवेक शर्मा को पश्चिम बंगाल के वेलरेड फाउंडेशन की तरफ से डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय सम्मान दिया गया है। डॉ विवेक को जनस्वास्थ्य जागरूकता, राष्ट्रीय एवम अंतराष्ट्रीय पत्र एवम पत्रिकाओं में लिखे स्वास्थ्य आलेख, विद्यालयों में विद्यार्थियों, अभिभावकों के लिए की गई स्वास्थ्य कार्यशालाएं एवम सामुदायिक स्वास्थ्य में योगदान के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है।

हथियार तस्करी में बेटे की गिरफ्तारी से परिवार सन्न, पिता बोले- जसनूर का अपराध से नहीं रहा वास्ता

पीलीभीत। बरेली में हथियार तस्करी के मामले में पकड़े गए चार आरोपियों में शामिल माधोटांडा क्षेत्र के मैनाकोट गांव निवासी जसनूर सिंह की गिरफ्तारी से उसका परिवार सकते में है। जिस बेटे को परिवार ने आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कम उम्र में ही नौकरी करने सूरत भेज चुका था, उसका नाम हथियार तस्करी जैसे गंभीर मामले में आने से परिजन हैरान हैं। पिता सतपाल सिंह का कहना है कि जसनूर की जिंदगी में कभी ऐसी गतिविधियां दिखाई नहीं दीं, जिनसे उसके अपराध की दुनिया से जुड़े होने का अंदेशा होता। उन्होंने उसकी उम्र भी करीब 17 वर्ष होने का दावा किया। सतपाल सिंह के मुताबिक, जसनूर की हाईस्कूल की मार्कशीट में जन्मतिथि एक जनवरी 2009 दर्ज है। उसने वर्ष 2024 में हाईस्कूल की परीक्षा पास की थी। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण पढ़ाई के बाद वह सूरत के एक बिजली प्लांट में हेल्पर की नौकरी करने चला गया था। वहां इसी साल मई महीने में काम के दौरान उसके हाथ की एक उंगली टूट गई। इसके बाद वह घर लौट आया था। पिता का कहना है कि जसनूर के खिलाफ पहले कभी कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ और न ही उसकी गतिविधियां कभी संदिग्ध लगीं। पिता ने बताया कि उनकी बहन उत्तराखंड में सितारगंज रोड स्थित बरहा-बरही गांव में रहती हैं। उनका बेटा गुरसेवक आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और वह तीन-चार बार जेल जा चुका है। सतपाल सिंह का आरोप है कि इसी रिश्तेदारी के चलते पुलिस ने जसनूर को पकड़ लिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि उनके परिवार का काफी समय से बहन के घर आना-जाना भी बंद है। पिता का कहना है कि सात बीघा जमीन पर खेती कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जसनूर का एक छोटा भाई लवप्रीत सिंह है। मां हरजीत कौर भी बेटे की गिरफ्तारी से दुखी हैं। सतपाल सिंह के अनुसार, नौ नवंबर को जसनूर घर पर ही था। शाम करीब आठ बजे वह अपने मामा और दो अन्य ग्रामीणों के साथ पास के मढ़ी चौराहा गांव गया था। इसी दौरान पुलिस चारों को पकड़कर ले गई। अगले दिन जसनूर ने किसी दूसरे मोबाइल नंबर से फोन कर परिवार को पुलिस हिरासत में होने की जानकारी दी। इसके बाद पिता परिवार के अन्य लोगों के साथ बरेली पहुंचे। वहां पुलिस ने जसनूर को छोड़ने से इनकार कर दिया, जबकि उसके साथ पकड़े गए तीन अन्य लोगों को दिन में छोड़ दिया गया। एएसपी हिमांशु गौरव ने बताया कि रोड स्थित बरहा-बरही गांव में रहती हैं। उनका बेटा गुरसेवक आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और वह तीन-चार बार जेल जा चुका है। सतपाल सिंह का आरोप है कि इसी रिश्तेदारीमाधोटांडा क्षेत्र के मैनाकोट गांव निवासी जसनूर का पुलिस जांच में अभी तक कोई अपराधिक इतिहास सामने नहीं मिला है। पुलिस यह भी पता करने का प्रयास कर रही है कि जसनूर किन लोगों के साथ रहता था, इसके अलावा उसकी अन्य गतिविधियां भी पता की जा रही है।

डॉ विवेक को मिला डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय सम्मान

जयपुर के चाईल्ड स्पेशलिस्ट डॉ विवेक शर्मा को पश्चिम बंगाल के वेलरेड फाउंडेशन की तरफ से डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय सम्मान दिया गया है। डॉ विवेक को जनस्वास्थ्य जागरूकता, राष्ट्रीय एवम अंतराष्ट्रीय पत्र एवम पत्रिकाओं में लिखे स्वास्थ्य आलेख, विद्यालयों में विद्यार्थियों, अभिभावकों के लिए की गई स्वास्थ्य कार्यशालाएं एवम सामुदायिक स्वास्थ्य में योगदान के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है।

NAME CHANGE

I, Rajeev Kumar Mishra S/o S. N. Mishra, R/o H.no E-6, Gali no1, Mukund Vihar Karawal Nagar Delhi-110094, have changed my name to Rajeev Mishra.

NAME CHANGE

I, Aanchal Goyal C/O Nitesh Goyal, House no. 4, A-4 Paschim Vihar Dist: West Delhi Pin: 110063 Have Changed My Name To Aanchal Aggarwal For All The Future Purposes....

NAME CHANGE

I, Shivangi Gupta W/O Harshul Bansal, A-10 Shankar Garden, Vikas Puri West Delhi Pin: 110018 Have Changed My Name To Shivangi Bansal For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I,hitherto known as Ubad Rahman S/O: Atiq Ur Rehman, R/O 498, Bakri Mohalla Lal Kurti, Meerut Cantt, Meerut, Uttar Pradesh - 250001, have changed my name and shall hereafter be known as Ubed Qureshi.

NAME CHANGE

I YUSUF KHAN S/O ISRAIL R/O AKERA (121) AKHERA MEWAT HARYANA 122107 HAVE CHANGED MY NAME TO YUSUF

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SAJID ANSARI R/O H.NO-179, STREET NO.3, NEAR TIRPAL FACTORY, OLD MUSTAFABAD, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SAJID ANSARI.

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR YADAV S/O SITA RAM YADAV R/o H NO-H-16/174, BAPA NAGAR, KAROL BAGH, DELHI-110005, have changed the name of my minor son OM KUMAR YADEV aged 13 years and he shall hereafter be known as OM KUMAR YADAV. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Public Notice

I, Mahera Afroz Khan D/o Late Rajender Prasad R/o E-1, Siddhartha Basti, Near Ambedkar Park, Jangpura, Ashram, New Delhi-110014, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism and renounced Muslim with effect from 30.09.2026.

NAME CHANGE

I,Komal Deepak Kumar W/O Deepak Kumar R/O D-210 Raj Nagar Part-2 Palam Colony new delhi-110045 I Have changed my name Komal Deepak Kumar To Komal All future purpose

NAME CHANGE

I, Abhishek Tyagi S/O Mukesh Tyagi R/O Bhanaira , PO: Nagla Akhu, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201204, have changed my name and shall hereafter be known as Heera Tyagi.

NAME CHANGE

I, S VERMA, father of IC-58347X, Rank-Ex-CAPT, Name-Late AMIT VERMA, resident of C-87, SHIVAJI PARK, WEST PUNJABI BAGH, NEW DELHI-110026, have changed my name from S VERMA to SURENDRA VERMA, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Mahera Afroz Khan D/o Late Rajender Prasad R/o E-1, Siddhartha Basti, Near Ambedkar Park, Jangpura, Ashram, New Delhi-110014, have changed my name and shall hereafter be known as REENA.

NAME CHANGE

I NARINDER KUMAR CHAUHAN S/O KRISHAN LAL R/O T-69 ROAD NO 20 NEAR GURUDWARA BALJEET NAGAR PATEL NAGAR DELHI-110008 have changed my name to NARINDER CHAUHAN Permanently for all future purposes

Name Correction

I, JAINAB KHATOON D/O MOHD ASLAM ANSARI R/O K-225 LANE W-12 B WESTERN AVENUE SAINIK FARM , KHANPUR, SOUTH DELHI 110062 Declare That my parents name is mentioned in my educational certificate and marksheet as Mother name (RAHIMA) and Father Name (MD ASLAM ANSARI) . That my parents correct name spelling are MOTHER NAME (RAHIMA KHATUN) and Father Name (MOHD ASLAM ANSARI) . That my Father name MD ASLAM ANSARI and MOHD ASLAM ANSARI, is same and one person, and Mother Name RAHIMA and RAHIMA KHATUN is also same and one person.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Shanti Narain Makhija S/o Late Uttam Chand Makhija is the owner and in possession of a Freehold Residential Second Floor without roof rights "Said Floor" Property Bearing No. WZ-119 area measuring 165 Sq Yds out of Khasra No. 1575 Situated in the Old Lal Dora (1908-1909) abadi of village Tihar, New Delhi., Our client acquired the said property by virtue of a Partition Deed dated 13.05.2014 Vide Doc No. 9059, Vol No. 21789, Page No. 133-139, dated 13.05.2014, SRO-II-Delhi., in the Chain Documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mr. Uttam Chand Expired on 21.06.2006 (2) SMC of Late Mrs. Kali Bai W/o Late Mr. Uttam Chand Expired on 16.05.2007 & (3) SMC of Late Mr. Suresh Chand Makhija S/o Uttam Chand Expired on 01.05.1998. our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mr. Baidyanath Thakur & Mr. Ram Nath Thakur and the said property to be financed / mortgaged with IndusInd Bank Ltd., Branch: Mukherjee Nagar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना

श्री संजय कुमार अग्रवाल और किरण अग्रवाल, आवासीय प्लॉट नंबर-210, पॉकेट-जे, सेक्टर गामा-II, ग्रेटर नोएडा (ग्रेटर नगर), उत्तर प्रदेश के मालिक हैं। श्री संजय कुमार अग्रवाल और किरण अग्रवाल से उक्त संपत्ति का ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा निष्पादित मूल आवंटन पत्र (Original Allotment Letter) dated 06.10.1993 in favour of संजय कुमार अग्रवाल और आवंटन पत्र (Allocation Letter in favour of संजय कुमार अग्रवाल Kiran Agrwal खो गया है, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है। इसलिए, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति, मुख्तारनामाधारक (Attorney) और/या संस्था, फर्म/कंपनी, सोसाइटी और/या सोसाइटी के सदस्य, बैंक, हिंदू अविभाजित परिवार (HUF)/HUF के सदस्य, या विनीय संस्थान का उक्त मकान/प्लॉट या अन्य किसी रूप में कोई भी दावा, प्रभार (charge), हित (interest), या लियन (lien) है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर केवल अधोहस्ताक्षरी के ईमेल - krnagr@yahoo.com पर दस्तावेजी प्रमाण के साथ सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर ऐसे किसी भी दावे आदि को शून्य और अमान्य माना जाएगा, जबकि संपत्ति का स्वामित्व (title) स्पष्ट और विक्रय योग्य (marketable) माना जाएगा, जिस पर कोई त्रुटि या भार (encumbrance) नहीं होगा और यह साम्यात्मक बंधक (equitable mortgage) बनाने के लिए स्वतंत्र होगा।

संजय कुमार अग्रवाल
डी-235, द्वितीय तल, सर्वोदय एन्क्लेव, साउथ दिल्ली, मालवीय नगर, दिल्ली - 110017
मोबाइल नंबर- 91612 08187

NAME CHANGE

I, No-6498294L Rank-NK Name-ANAND SINGH S/O LATE MAHENDRA SINGH is legal father of ADITYA RANA residing at VPO-KAMOLA, DIST-NAINITAL, UTTRAKHAND-263140, have changed my minor son's name from ADITYA RANA to AADITYA RANA for all future purposes vide Affidavit dated 18/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, RAKHI W/O ARJUN SINGH R/O WZ-810 PLOT NO-16A/18 NAVYUG BLOCK VISHNU GARDEN TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to RAKHI KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VANSHIKA CHUGH d/o NARESH CHUGH r/o 7/191, GEETA COLONY, GANDHI NAGAR, NEW DELHI 110031 have changed my name to VANSHIKA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VIKAS SINGH PATHANIA S/O KRISHAN SINGH PATHANIA R/O F-127,SECOND FLOOR,CENTRAL PARK-3,FLOWER VALLEY, SOHNA, GURGAON, HARYANA-122103, DECLARE THAT VIKAS SINGH PATHANIA AND VIKAS PATHANIA THESE ARE SAME PERSON AND ONE PERSON

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that Mrs.Rajwinder Kaur W/o Mr.Jaswant Singh is the owner of Land area measuring 8 Kanal 17 Marla, Out of Khewat No. 509, Khasra No. 1,10,11,11/4, 12,13,14,16/1, 16/3/1, 16/3/2,17, 18,19,2,20,21,22,23,24,24/4,25,25,3 ,4,4,5,5,6 ,6,7,7,8,9, Situated at Village Kakheri Tehsil Guhla Haryana, vide Transfer Deed dt.30.10.2026,Doc.No.2556,executed by Mr. Jaswant Singh S/o Mr. Jarnail Singh,SR-Guhla, Kaithal (Haryana). And in the property chain Original Sale Deed dt.30.08.2011, doc. No. 3352 was lost and FIR has been lodged vide LR No: 806214/2026 on dt.18.11.2026. And now said property is being financed by Incred Financial Services Ltd. if anybody has any charge/title/family or third party interest in the said property any kind of dispute, kindly inform the undersigned in written with proof on the below mentioned address,failing which I am aware that in case default with the mortgage property,that all borrowers/ owners are responsible for the same.

JBMR Law Associates.
(Advocates & Solicitors)
Shop no. 15, Lal Kuan, near Shiv Mandir, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, hitherto known as VIMAL KUMAR S/O OM PARKASH SHARMA R/O B-516/1 KH NO.611 IST FLOOR, NEELKANTH MAHADEV MARG,SABHAPUR EXTENSION, SABA PUR, DELHI-110094, have changed my name and shall hereafter be known as VIMAL SHARMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

My clients Vipan Kumar and his wife Darshana Rani Both Resident of H.No. 114, Gali No.1, Indira Complex Tigaon Road, Old Faridabad Kheri Kalan (113), Kheri Kalan, Faridabad, Haryana-121002, has disowned their son Gagandeep and his wife Tanu Sharma from all their movable/immovable properties because of their misbehavior and severed all their relations with them. My clients shall not be responsible for any of their acts in future.

HIMASHIK KAPOOR
Advocate
CHAMBER NO. 338
LAWYERS CHAMBER BLOCK,
SAKET COURTS, NEW DELHI
MOBILE NO. 8586085115

PUBLIC NOTICE

Mr. Mudit Goel and Mrs. Minal Goel Owner of the Residential Plot/House No.002, admeasuring 300 Sq. Mtrs., Block A, Sector 108, Noida, District- G.B. Nagar, U.P. Mr. Mudit Goel and Mrs. Minal Goel have lost Original Allotment issued by NOIDA dated 19.01.2004 in favour of Mrs. Geeta Bathla of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किलों श्री घनश्याम पुत्र श्री चमन लाल तथा श्रीमती हेमलता राठौर पत्नी श्री घनश्याम, दोनों निवासी ई-7बी/576, संगम विहार, नई दिल्ली 110062, के निर्देशानुसार मैं सर्वसाधारण को सूचित करता/करती हूँ कि मेरे मुवक्किलों ने अपने पुत्र विशाल के लगातार दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण तथा अनादरपूर्ण व्यवहार के क

संक्षिप्त डायरी

महिला ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-73 स्थित सफाबाद गांव में मंगलवार सुबह एक महिला ने आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला संभल के परियावली गांव निवासी 22 वर्षीय ममता का विवाह कुछ वर्ष पूर्व सोमवीर के साथ हुआ था। ममता का पति एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। दोनों सेक्टर-73 स्थित सफाबाद गांव में एक सोसाइटी के कमरे में किराये पर रहते थे। सोमवीर के साथ छोटा भाई दीपांशु भी रहता है। ममता एक दिन पूर्व ही अपने गांव से नोएडा आई थी। मामा की मौत के चलते सोमवीर गांव गया हुआ था। मंगलवार सुबह देवर दीपांशु किसी काम से बाहर गया। कुछ देर बाद लौटकर आया तो कमरे में ममता फंदे पर लटकी मिली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव को नीचे उतारा और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना स्थल का निरीक्षण किया। परिजन ने पुलिस को बताया पिछले कुछ समय से ममता मानसिक रूप से तनाव में थी। शुरूआती जांच में आत्महत्या का कारण साफ नहीं हुआ है। पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

छेड़छाड़ से तंग आकर किशोरी ने जान दी

एजेंसी

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ की घटनाओं से तंग आकर एक किशोरी ने नौ नवंबर को आत्महत्या कर ली। मृतका की मां ने आसपास के कुछ लोगों पर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से जिला हरदोई की रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति का निधन हो चुका है। वह 14 वर्षीय पुत्री और नौ वर्षीय पुत्र के साथ गढ़ी चौखंडी गांव में किराये पर रहती हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती हैं। नौ नवंबर को उनके पुत्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। वह उसे लेकर पैतृक गांव छोड़ने जा रही थीं। उन्होंने कमरे पर नाबालिग पुत्री को छोड़ दिया था। जब वह पुत्र को लेकर बरेली और शाहजहांपुर के पास पहुंचीं तो पड़ोस में रहने वाले रिश्ते के भतीजे ने फोन पर सूचना दी कि उनकी नाबालिग बेटी को मार डाला है। वापस पहुंचने पर पड़ोसी ने बताया कि एक महिला समेत चार लोगों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को फंदे पर लटका दिया ताकि हत्या को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी आए दिन उनकी बेटी के साथ जबरदस्ती करते थे और कई बार छेड़छाड़ कर चुके थे। पुलिस का कहना है कि किशोरी ने आत्महत्या की थी। इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हो चुकी है। फिलहाल शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जिले की बास्केटबॉल टीम का ट्रायल 21 को होगा

एजेंसी

नोएडा। राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए गौतमबुद्ध नगर की टीम के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला स्तरीय चयन के लिए परीक्षण यानी ट्रायल 21 नवंबर को ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट में होगा। उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन (यूपीबीए) के महासचिव दिलीप सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप 24 से 30 नवंबर तक बरेली में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले की सीनियर पुरुष टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। जिले के इच्छुक और पात्र खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेकर टीम में जगह बना सकेंगे। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित की जा रही है। निदेर्शों के तहत ट्रायल में संबंधित पक्षों की ओर से एक-एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। यूपीबीए ने संबंधित पक्षों से अपने प्रतिनिधि का नाम नामित कर एसोसिएशन को भेजने का अनुरोध किया है। महासचिव ने उम्मीद जताई कि ट्रायल के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन करने वाले योग्य खिलाड़ियों का चयन होगा, जो राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में गौतमबुद्धनगर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

घर में चोरी करने वाले गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। फेज-3 थाना पुलिस ने मामूरा गांव में पांच दिन पूर्व घर से लाखों के जेवरात चोरी करने वाले दो बदमाशों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी का माल भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि राजू चौबे ने सोमवार को थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि वह मूलरूप से जिला बलिया के कुसौरा गांव के रहने वाले हैं। वह वर्तमान में मामूरा गांव की गली नंबर-3 में किराये पर रहते हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। 13 नवंबर को वह ऑफिस चले गए थे। पत्नी घर पर अकेली थी। वह दोपहर में करीब दो बजे पत्नी बाजार में खरीदारी करने चली गई थीं। कुछ समय बाद जब वह लौटीं तो कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर घर से एक हजार रुपये, सोने का मांग टीका, कान के झाले, अंगूठी, मंगलसूत्र, लॉकेट, कान के इयरिंग, चांदी की पाजेब, बच्चे की पायल, बच्चे के करधन, तीन जोड़ी बिछुआ तथा मोबाइल फोन गायब था। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। मंगलवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान आकाश निवासी कासगंज और प्रियांशु निवासी जिला बलिया के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने गढ़ी चौखंडी और जनता फ्लैट में भी चोरी की वारदातें की हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कमरे से गहने और नकदी चोरी

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र के सफाबाद गांव स्थित एक घर से चोर लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी कर फरार हो गए। जिस समय घटना हुई, पीड़ित परिवार घर से बाहर आया था। चोरी का पता चलने पर मामले की शिकायत संबंधित थाने की पुलिस से की गई। दादरी निवासी अनीता ने बताया कि वह वर्तमान में सफाबाद गांव में किराये के कमरे में रहती हैं। वह 16 से 19 सितंबर के बीच घर पर नहीं थीं, तभी चोर अंदर दाखिल हुआ। वह तीन जोड़ी चांदी की पायल, दो जोड़ी सोने के झुमके, दो सोने की लॉकेट और एक जोड़ी चांदी की बिछिया चोरी कर ले गया। 15 हजार रुपये भी चोरी हुए। जब अनीता वापस आईं तो कमरे का ताला टूटा था और अंदर सारा सामान बिखरा था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरकारी विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू

एजेंसी

नोएडा। जिले के सभी सरकारी स्कूलों में मंगलवार से अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गईं। सभी स्कूलों में परीक्षाएं शांतिपूर्वक संपन्न हुईं। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) राहुल पंवार ने बताया कि 21 नवंबर तक परीक्षाएं होंगी। पहले दिन किसी भी स्कूल से कोई शिकायत नहीं मिली है। इन परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, विषयों की समझ और अब तक की पढ़ाई का मूल्यांकन किया जाएगा। परीक्षा के परिणामों के आधार पर शिक्षक बच्चों की शैक्षणिक स्थिति का आकलन कर आगे की पढ़ाई की रणनीति तैयार करेंगे। पहले दिन विद्यार्थियों ने हिंदी और संस्कृत विषय की परीक्षा दी। वहीं, कुछ स्कूलों में कक्षा एक और दो के बच्चों ने गणित का पेपर भी दिया।

मकान में लगी आग, बच्चों ने भागकर बचाई जान

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां एक मकान में भीषण आग लगने से इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही पलों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में घर में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय घर में मौजूद दोनों बच्चों ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि आग से गैस सिलेंडर में भी आग लग गई। पीड़ित मकान मालिक दया शंकर ने बताया कि वह एयरटेल कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि उनकी पत्नी भी एक अन्य कंपनी में नौकरी करती हैं। रोजाना की तरह सुबह करीब नौ बजे दोनों पति-पत्नी अपनी-अपनी ड्यूटी के लिए घर से निकल गए थे। धूमसपुर क्षेत्र स्थित उनके मकान में उनके दो मासूम बच्चे



अकेले थे, जो मुख्य गेट के पास खेल रहे थे। इसी दौरान घर के अंदर अचानक धुआं और आग की लपटें निकलती दिखाई दी। देखते ही देखते चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया।

घर के अंदर से धुआं और आग की लपटें निकलती देख गेट के पास खेल रहे दोनों बच्चे सहम गए, लेकिन उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घर से बाहर की ओर दौड़ लगा दी और सुरक्षित बाहर निकल आए। बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के पड़ोसी मौके पर जमा हो गए। आग की विकरालता को देखते हुए पूरी कॉलोनी में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत इस घटना की सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की तत्परता के कारण आग आसपास के सटे हुए अन्य मकानों तक नहीं फैल सकी, अन्यथा कॉलोनी में और भी बड़ा नुकसान हो सकता था। आग बुझने के बाद जब घर का मंजर देखा गया तो अंदर सब कुछ जलकर राख हो चुका था। मकान मालिक दया शंकर के अनुसार इस आगजनी में घर का फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कपड़े, नकदी और अन्य जरूरी दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, जिससे उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

50 लाख का पैकेज छोड़ सॉफ्टवेयर इंजीनियर अक्षिता बनीं साध्वी

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां मल्टीनेशनल कंपनी फॉक्सवैगन में 50 लाख रुपये सालाना पैकेज पर नौकरी करने वाली 37 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अक्षिता जैन ने अपनी मां शिरोमणी (61) के साथ दीक्षा दी। अब दोनों मां-बेटी जैन साध्वी बन गई हैं। अक्षिता अब तक फिएट कंपनी, मर्सिडीज बेंज और फॉक्सवैगन जैसी कंपनियों में नौकरी कर चुकी हैं, जबकि उनकी मां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में 37 साल नौकरी करने के बाद चीफ मैनेजर के पद से रिटायर हुई हैं। दोनों मां-बेटी पंजाबी हिंदू परिवार से हैं। दीक्षा से पहले मंगलवार को जोधपुर में उनका वरघोड़ा निकाला गया। इसमें जैन समाज के साधु-साध्वियों के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अक्षिता की मां शिरोमणी बजाज का जन्म 18 अक्टूबर 1965 को दिल्ली के मोती नगर में हुआ था। उन्होंने बीए और लाइब्रेरी साइंस में बीलिब की डिग्री हासिल की। शिरोमणी ने छह जनवरी 1988 को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में नौकरी शुरू की थी। 31 अक्टूबर 2025 को चीफ मैनेजर के पद से रिटायर हुईं। इस तरह उन्होंने आईओसीएल में 37 साल से अधिक समय तक सेवाएं दीं। का निधन हो चुका है। उनकी दो बेटियां अक्षिता और आशिमा हैं। आशिमा की शादी हो चुकी है। उनके परिवार में दामाद सिद्धार्थ बजाज और चार साल की नातिन इनायत भी हैं। शिरोमणी का परिवार मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है। वह फिलहाल गुरुग्राम में रह रहा है। अक्षिता जैन (37) गुरुग्राम की रहने वाली हैं। उन्होंने 2013 से 2015 तक गुरुग्राम की नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में मास्टर डिग्री की। इसके बाद आईआईएम बेंगलुरु से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन किया। उन्होंने 2015 से 2017 तक फिएट ऑटो में काम किया।

आम्रपाली जोडिएक में गार्डों की हड़ताल से सुरक्षा प्रभावित

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में मंगलवार को वेतन की समस्या को लेकर सुरक्षाकर्मियों ने कामकाज बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। सभी गार्डों के एक साथ ड्यूटी छोड़ने से सोसाइटी की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो गई। नाराज गार्ड सुबह गेट नंबर-2 पर धरने पर बैठ गए। दोपहर करीब तीन बजे 25 से 30 गार्ड अपनी मांगों को लेकर श्रम कार्यालय भी पहुंचे। हालांकि, एओए अध्यक्ष के अनुसार शाम तक गार्ड काम पर लौट आए। हड़ताल पर बैठे गार्डों का आरोप था कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे उनके सामने परिवार का खर्च चलाने और आर्थिक जरूरतें पूरी करने में परेशानी आ रही है। गार्डों ने कहा कि जब तक उनका बकाया वेतन नहीं मिलेगा, वे ड्यूटी पर वापस नहीं लौटेंगे। सभी सुरक्षाकर्मियों के काम बंद करने से मुख्य गेट और टावरों की सुरक्षा को लेकर निवासियों की चिंता बढ़ गई। दो किश्तों में मिलता है वेतन, भुगतान भी अधूरा सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि गार्डों को हर महीने समय पर वेतन नहीं मिलता। कई बार भुगतान दो किश्तों में किया जाता है। उनका दावा है कि अक्तूबर महीने के वेतन का केवल 25 प्रतिशत भुगतान हुआ है। गार्डों ने समय पर पूरा वेतन देने की मांग की है। मंगलवार सुबह सभी गार्ड गेट नंबर-2 पर एकत्र होकर धरने पर बैठ गए और प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताया। शाम को ड्यूटी पर लौटे गार्ड

आम्रपाली जोडिएक के एओए अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि सुबह से गार्ड हड़ताल पर बैठे थे, लेकिन शाम होते-होते वे ड्यूटी पर वापस लौट गए। गार्डों की समस्याएं सुनी गईं और उनका समाधान कर दिया गया है।

चार दिन तक रही जलापूर्ति बाधित, ठेकेदार पर एक लाख जुमार्ना

एजेंसी

गुरुग्राम,। नगर निगम गुरुग्राम ने पेयजल आपूर्ति में लापरवाही बरतने पर संबंधित ठेकेदार पर एक लाख रुपये जुमार्ना लगाया है। वार्ड-10 की हरि नगर कालोनी में लगातार चार दिनों तक जलापूर्ति बाधित रही। इसी के चलते निगम ने यह सख्त फैसला लिया। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त की ओर से यह जानकारी दी गई। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार निगम क्षेत्र के हरि नगर खांडसा रोड के पास स्थित वार्ड-10 में चार दिनों तक लगातार पानी की आपूर्ति बाधित रही। इस कारण क्षेत्र के निवासियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। इस मामले को नगर निगम आयुक्त ने गंभीरता से लिया। मैसर्स नरेंद्र सिंह कॉन्ट्रेक्टर को नगर निगम



के वार्ड नंबर 9, 10, 16 और 17 में जलापूर्ति नेटवर्क एवं बूस्टिंग स्टेशनों के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा गया था। इस कार्य के लिए एजेंसी को 24 जुलाई 2026 को स्वीकृति पत्र जारी किया गया था। इसके बावजूद वार्ड-10 के हरि नगर क्षेत्र में लगातार चार दिनों तक जलापूर्ति बाधित रहना एजेंसी के कार्य प्रदर्शन और आवश्यक जनशक्ति की तैनाती को लेकर गंभीर चिंता का विषय पाया गया। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि जलापूर्ति बाधित रहने के दौरान प्रभावित क्षेत्र में पानी के टैंकरों की व्यवस्था भी नहीं की गई। नगर निगम ने जलापूर्ति व्यवस्था के उचित रखरखाव में हुई चूक को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसी पर 1,00,000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित वार्ड में जलापूर्ति व्यवस्था का उचित संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। निगमायुक्त डॉ. पंकज ने कहा कि जुमार्ने की राशि संबंधित एजेंसी के रनिंग बिल से वसूल की जाएगी। इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नागरिकों को पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित एजेंसियों को निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य करना होगा तथा जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में नागरिकों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के प्रति भी जवाबदेह रहना होगा।

नूंह: फर्जी बैंक खातों और ऑनलाइन जुए के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

एजेंसी

नोएडा। नूंह जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुन्हाना सदर थाना पुलिस और साइबर क्राइम नूंह की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन जुआ और साइबर ठगी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने नीमखेड़ा गांव में जमालगढ़ मोड़ के पास दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 45 मोबाइल फोन, 139 एटीएम कार्ड, 20 बैंक पासबुक, 13 चेकबुक, 35 सिम कार्ड और चार लैपटॉप सहित बड़ी संख्या में क्यूआर कोड, आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुन्हाना सदर थाना क्षेत्र में उपनिरीक्षक नंद किशोर के नेतृत्व में पुलिस टीम साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए जमालगढ़ मोड़ पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि कुछ युवक नीमखेड़ा क्षेत्र में फर्जी बैंक खाते, चेकबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऑनलाइन जुए के माध्यम से ठगी का नेटवर्क चला रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने साइबर क्राइम नूंह की टीम के साथ मौके पर दबिश दी। वहां चार युवक मोबाइल फोन पर बातचीत करते हुए लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन जुआ संचालित करते मिले। पुलिस ने मौके पर ही चारों को काबू कर लिया। उनकी पहचान साजिद निवासी अखनाका, थाना फिरोजपुर झिरका (नूंह), अफरोज निवासी कीडोरे, थाना पहाड़ी, जिला डीग (राजस्थान), फरहान निवासी नजीबपुर खेतासर, थाना टिकैत नगर, जिला बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) और जितेश कुमार बैरवा निवासी रानीवास, पोस्ट लाडोती का बास, तहसील नांगल राजावतान, जिला दौसा (राजस्थान) के रूप में हुई है।नक्शे देखें पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर मौके से अलग-अलग कंपनियों के 45 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 139 एटीएम कार्ड, 20 बैंक खातों की पासबुक, 13 चेकबुक, 35 सिम कार्ड और चार लैपटॉप बरामद हुए। इसके अलावा बड़ी संख्या में क्यूआर कोड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं। बरामद बैंक पासबुक में बिहार ग्रामीण बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, तेलंगाना ग्रामीण बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र सहित विभिन्न बैंकों की पासबुक शामिल हैं। लोगों को लालच देकर खुलवाते थे बैंक खाते प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लोगों को बैंक खाता खुलवाने के बदले पैसों का लालच देते थे। इसके बाद उनके दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाकर उनका इस्तेमाल ऑनलाइन साइबर ठगी और ऑनलाइन जुए से प्राप्त रकम के लेन-देन में किया जाता था। आरोपियों के कब्जे से मिले विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड इस नेटवर्क की कार्यप्रणाली की जांच में अहम कड़ी माने जा रहे हैं।

रात के अंधेरे में तीन घोड़ियां ले उड़े चोर, परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट; सीसीटीवी में कैद हुई घटना

एजेंसी

नोएडा। विकास घोड़ियों के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके पास तीन घोड़ियां थीं। रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। सुबह जब विकास सोकर उठे तो घोड़ियां गायब मिलीं। नोएडा के फेज तीन थाना क्षेत्र में चोरी की एक घटना में चोर एक व्यक्ति की तीन घोड़ियां चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चोरी हुई घोड़ियों की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। जानकारी के मुताबिक, गढ़ी चौखंडी के कृष्णा विहार में रहने वाले विकास घोड़ियों के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके पास तीन घोड़ियां थीं। रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाकर तीनों घोड़ियों को चुरा



लिया। सुबह जब विकास सोकर उठे तो घोड़ियां गायब मिलीं। आसपास तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। घोड़ियों का पता लगाने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

मयूर विहार से सेक्टर-94 तक फरार्टा भरेंगे वाहन, 20 मीटर ऊंचे एलिवेटेड रोड का रास्ता साफ

एजेंसी

नोएडा। प्रस्तावित एलिवेटेड रोड नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, कालिंदीकुंज मार्ग और दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के ऊपर से गुजरेगा। परियोजना की अनुमानित लागत 342.74 करोड़ रुपये है। नोएडा के मयूर विहार से सेक्टर-94 तक वाहन फरार्टा भरेंगे क्योंकि चिल्ला एलिवेटेड रोड के आगे 3.2 किलोमीटर लंबे छह लेन के एलिवेटेड रोड के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नोएडा प्राधिकरण ने मंगलवार को निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिया है और आठ दिसंबर तक आवेदन मांगे हैं। निर्माण शुरू होने के बाद इस परियोजना को पूरा होने में तीन वर्ष लगेंगे। यह 20 मीटर ऊंचा होगा। चार धनुषाकार पुल बनेंगे।



परियोजना की अनुमानित लागत 342.74 करोड़ रुपये है। इस एलिवेटेड रोड के बनने के बाद मयूर विहार से आने वाले वाहन चालक मयूर विहार से महामाया फ्लाईओवर के सामने सेक्टर-38 तक बन रहे चिल्ला एलिवेटेड रोड के जरिये सीधे सेक्टर-94 यमुना पुश्ता रोड तक पहुंच सकेंगे। सेक्टर-95 के पास शाहदरा नाले पर एक लूप भी बनाया जाएगा। इससे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहन चिल्ला एलिवेटेड रोड पर चढ़कर सीधे डीएनडी, सेक्टर-16ए व मयूर विहार की ओर जा सकेंगे। इससे लाखों वाहन चालकों को महामाया फ्लाईओवर और चिल्ला बॉर्डर लिंक रोड पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। नोएडा प्राधिकरण ने मार्च में इस एलिवेटेड रोड के निर्माण की तैयारी शुरू की थी। इसके बाद आईआईटी रुड़की से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाई गई। आईआईटी ने अगस्त में डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को सौंप दी थी। इसके बाद लागत का परीक्षण और समिति की मंजूरी मिलने पर अब टेंडर की प्रक्रिया शुरू की गई है। 20 मीटर होगी ऊंचाई, लोहे के धनुषाकार पुल बनेंगे प्रस्तावित एलिवेटेड रोड नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, कालिंदीकुंज मार्ग और दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के ऊपर से गुजरेगा। इन तीनों स्थानों पर पिलर बनाने की गुंजाइश न होने के कारण यहां स्टील के चार बो-स्ट्रिंग ब्रिज बनाए जाएंगे। ये पुल मजबूती और अधिक भार-क्षमता के लिए ऊपर से धनुष के आकार में मुड़े होते हैं। नजदीक में ओखला पक्षी विहार होने के कारण ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए मार्ग पर साउंड बैरियर भी लगाए जाएंगे। आईआईटी के आकलन के अनुसार, मजेंटा लाइन मेट्रो की हाईटेंशन लाइन 17 मीटर ऊंची है, इसलिए एलिवेटेड रोड को इससे तीन मीटर ऊपर यानी 20 मीटर की ऊंचाई से गुजारा जाएगा। इसके साथ ही बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को भी ऊंचा कराया जाएगा। अभी तक शहर में बने दो एलिवेटेड रोड (नोएडा और भंगेल) की ऊंचाई लगभग 10 मीटर है। भविष्य की योजनाएं और विस्तार प्रस्तावित एलिवेटेड रोड सेक्टर-38 के सामने चिल्ला एलिवेटेड रोड से जुड़ेगा। यह यमुना पुश्ता से सेक्टर-94 में और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से सेक्टर-95 में भी जुड़ेगा। उधर, एनएचएआई सेक्टर-94 से यमुना सिटी तक 50 किलोमीटर लंबे कालिंदीकुंज-नोएडा एयरपोर्ट एलिवेटेड एक्सप्रेसवे की डीपीआर तैयार कर रहा है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग के बनने से दिल्ली के मयूर विहार से नोएडा एयरपोर्ट तक सीधी एलिवेटेड कनेक्टिविटी मिल जाएगी। एलिवेटेड रोड की डीपीआर आईआईटी से तैयार करवाकर प्राधिकरण ने निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी किया है। यह परियोजना प्राधिकरण की प्राथमिकता में शामिल है। नए एलिवेटेड रोड के बनने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

नेपाल को भारत से 350 मेगावाट बिजली आयात करने की मंजूरी मिली

जलविद्युत उत्पादन में कमी के कारण निर्णय लिया

काठमांडू ।

नेपाल को आगामी शीतकाल में घरेलू बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत से 350 मेगावाट तक बिजली आयात करने की मंजूरी मिल गई है। जलविद्युत उत्पादन में कमी और हाल की बाढ़ से कई परियोजनाओं को हुए नुकसान के कारण यह निर्णय लिया गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों के अनुसार भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने एनईए को भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीदने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 17 नवंबर, 2026 से 31 जुलाई, 2027 तक वैध है, जिससे नेपाल को भविष्य में भी मौसमी अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। नेपाल की बिजली आपूर्ति मुख्य रूप से नदी के प्रवाह पर निर्भर जलविद्युत परियोजनाओं पर आधारित है। सर्दियों में जलस्तर घटने से उत्पादन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, अगस्त में रसुवा-भोटेकोशी क्षेत्र में आई बाढ़ से 431 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं अभी भी राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ नहीं पाई हैं, जिससे संकट और गहरा गया है। हालांकि, अप्रैल के मध्य से नदियों का जलस्तर बढ़ने पर घरेलू उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और नेपाल फिर से बिजली निर्यात शुरू कर सकेगा।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर

न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया में सबसे महंगा, सालाना किराया 2700 डॉलर प्रति वर्ग फुट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रतिष्ठित खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

यह भारत का सबसे महंगा खुदरा बाजार भी है, जहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट पहुंच गया है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दुनिया का सबसे महंगा खुदरा बाजार बन गया है। लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (2,230 डॉलर) दूसरे और मिलान का विया मोंटेनापोलियोने (2,160 डॉलर) तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली के खान मार्केट में मजबूत मांग के कारण सालाना किराया 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (लगभग 1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे बाजारों में किराये बढ़े, जबकि वैश्विक स्तर पर किराये की औसत वृद्धि 3 फीसदी रही। भारतीय खुदरा बाजार मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण मजबूत बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

एनवीडिया ने सीईओ पद पर हुआंग की वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली ।

चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने अपने पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को कंपनी के शीर्ष पद पर बहाल करने की किसी भी योजना से स्पष्ट इनकार कर दिया है। चेयरमैन हार्वे जोन्स ने बुधवार को कहा कि हुआंग ने कंपनी की आचार संहिता के मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले निजी व्यवहार के खुलासे के बाद स्वेच्छा से इस्तीफा दिया था। यह घोषणा हुआंग के उस बयान के कुछ ही घंटे बाद आई है, जिसमें उन्होंने वापसी की इच्छा जताई थी। न्स ने पुष्टि की कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से हुआंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और अब उन्हें सीईओ के रूप में बहाल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि इस्तीफे की घोषणा के समय भले ही कारण नहीं बताया गया था, लेकिन हुआंग ने निजी व्यवहार के खुलासे के बाद ही पद छोड़ा था। फिलहाल, कंपनी की मुख्य वित्त अधिकारी कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ के रूप में कार्यरत हैं, और बोर्ड ने स्थायी सीईओ की तलाश के लिए हेड्रिक एंड स्ट्रगल्स को नियुक्त किया है। निदेशक मंडल ने क्रेस के नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा निर्यात नियंत्रण निगरानी समिति भी गठित की है। इससे पहले, हुआंग ने सोशल मीडिया पर स्वीकार किया था कि उन्होंने निजी जीवन में गंभीर गलतियां की थीं, लेकिन वापसी की इच्छा भी जताई थी। इस बीच, एनवीडिया का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 65.3 अरब डॉलर हो गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 500, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,031.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 159.45 अंक फिसलकर 25,227.95 अंकों पर बंद हुआ। आज एसबीआई, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार बंद किया जबकि टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुए और बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 15 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.26 फीसदी उछले जबकि टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.82 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट , पावरग्रिड , मारुति सुजुकी , ट्रेंट , सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल सहित इन शेयरों में गिरावट आई है। टीसीएस , बजाज फाइनेंस , एटरनल 2, इंडिगो , इन्फोसिस , टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा , एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।



इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 82,443.35 के स्तर पर वहीं निफ्टी भी 33.50 अंक गिरकर 25,353.90 पर आ गया है। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरे, जबकि एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिलाजुला कारोबार दिखा।

रुपया 24 पैसे चढ़कर 93.27 प्रति डॉलर पर

रुपया मंगलवार को 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.27 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के भारी प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में मजबूती मुख्य रूप से रातोंरात अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट से आई है। इससे भारत की आयात लागत और महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.47 पर खुला और बढ़त हासिल करते हुए 93.27 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 43 पैसे मजबूत होकर सात महीने के उच्च स्तर 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 103.60 पर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

- औपचारिक समझौते के बजाय अहम नीतिगत मुद्दों पर जोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) का एक उच्च-स्तरीय दल इन दिनों दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर रहा है। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा बौद्धिक संपदा (आईपी), नियामकीय डेटा संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी दूतावास ने इन चर्चाओं की पुष्टि करते हुए इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास बताया। यूएसटीआर के सहायक व्यापार प्रतिनिधि डैनियल ली सहित वरिष्ठ अधिकारियों का दल वाणिज्य, वित्त, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा औषध विभागों के प्रमुख भारतीय अधिकारियों से मिल रहा है। हालांकि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये बातचीत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। फिलहाल दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिसमें वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्क बाधाओं और आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अमेरिका का मानना है कि बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर भारत को गैर-शुल्क बाधाओं को समझौते के बिना भी दूर करना चाहिए।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया नया इक्विटी फंड

- बाजार जोखिम से बचाव पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (कोटक म्यूचुअल फंड) ने अपने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) प्लेटफॉर्म के तहत इन्फिनिटी इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी निवेश रणनीति है, जिसका मुख्य उद्देश्य शेयरों के सावधानीपूर्वक चयन के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना और डेरिवेटिव्स का उपयोग करके बाजार के जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) की अवधि 17 नवंबर से शुरू होकर 1 दिसंबर तक रहेगी। इस फंड में न्यूनतम 10 लाख रुपये का निवेश करना होगा, जो एएमसी की सभी एसआईएफ योजनाओं में पैन स्तर पर लागू होगा। निवेशकों को रोजाना निवेश और निकासी की सुविधा मिलेगी। फंड का बेंचमार्क निफ्टी 100 टीआरआई है, और कल्पेश जैन, रोहित टंडन तथा अभिषेक बिसेन इसके फंड मैनेजर होंगे। यह कोटक म्युचुअल फंड की दूसरी एसआईएफ रणनीति है, इससे पहले कंपनी ने इन्फिनिटी हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया था। फंड की निवेश रणनीति मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित होगी, जिसमें कारोबार, विकास की संभावनाओं और उचित वैल्यूएशन के आधार पर शेयरों का चयन होगा। जोखिम को कम करने और निवेश के स्तर को समायोजित करने के लिए डेरिवेटिव्स का सक्रिय उपयोग किया जाएगा। इसमें कवर्ड कॉल और पुट ऑप्शन जैसी रणनीतियों से बाजार के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जाएगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी नीलेश शाह ने कहा कि इक्विटी निवेश में अवसरों के साथ-साथ बाजार में गिरावट के दौरान जोखिम संभालना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन आईपीओ खुला,कृषि क्षेत्र में निवेश का अवसर

- कंपनी का लक्ष्य 455 करोड़ जुटाना, 20 नवंबर तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली ।

प्राथमिक बाजार में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिए बुधवार, 18 नवंबर को कृषि-रसायन कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। खेती से जुड़े रसायन, फसल सुरक्षा उत्पाद और बीज बनाने वाली यह भारतीय कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 455.49 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के आईपीओ का प्राइस बैंड 259 से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, और यह 20 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशकों को कम से कम 55 शेयरों के एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा। इस इश्यू में 354.77 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 100.71 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर 26 नवंबर को लिस्टिंग संभव है। बाजार विश्लेषकों ने इस आईपीओ पर मिली-जुली राय दी है। कुछ ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के विविध कारोबारी क्षेत्रों में मौजूदगी और अनुसंधान व विकास पर जोर को देखते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वैल्यूएशन बहुत सस्ता नहीं है। आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का कुल मार्केट कैप लगभग 4,437.9 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, कुछ अन्य फर्मों ने कंपनी की कमाई पर मॉनसून और कृषि उत्पादों की मांग की निर्भरता जैसे जोखिमों के कारण आईपीओ पर न्यूट्रल रेटिंग दी है, हालांकि कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन मजबूत रहा है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को अर्थशॉट पुरस्कार

कंपनी ने अब तक लाखों टन सीओ2 उत्सर्जन रोका

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी (एमएलएमएम) को इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से प्रदूषण कम करने और छोटे कारोबारियों व चालकों को सशक्त बनाने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'अर्थशॉट पुरस्कार 2026' के 'स्वच्छ हवा' श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है।

यह वैश्विक सम्मान कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल पहल और सामाजिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी 10 लाख पाउंड (लगभग 11 लाख अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि का उपयोग समावेशी इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए करेगी। इसमें महिला चालकों को प्रशिक्षण देना, उन्हें किफायती वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में चार्जिंग ढांचे का विस्तार करना और इलेक्ट्रिक रिक्शा को व्यापक समुदायों तक पहुंचाना शामिल है। एमएलएमएम ने अब तक चार लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं, जिससे 1.85 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोकने में मदद मिली है।

भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नही नवीन जिंदल

यूरोप 2035 के बाद ब्लास्ट फर्नेस से हटेगा, भारत में जारी निर्माण से होगी उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली ।

भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए कंपनी 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया

नई दिल्ली।

एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरुरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है।

कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है।

मोतीलाल ओसवाल के पांच पसंदीदा शेयर, 27 फीसदी उछाल का अनुमान

- ब्रोकरेज फर्म को दमदार फंडामेंटल वाले शेयरों में दिख रहा दम

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी ने उत्साह भर दिया है, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स एक महीने में करीब 10 फीसदी ऊपर चढ़ गए हैं। इस तेजी के माहौल के बीच, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को दमदार फंडामेंटल वाले पांच शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है।

ब्रोकरेज फर्म को इन शेयरों में सालभर में 27 फीसदी तक की तेजी का अनुमान है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सकता है।

मोतीलाल ओसवाल की सूची में स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर की आरती इंडस्ट्रीज शामिल है, जिसके लिए 600 रुपए का लक्ष्य रखा गया है, जो इसके 470.85 रुपए के बंद भाव से काफी अधिक है। दूसरा नाम संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल है, जिसके शेयरों पर 200 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 164 रुपए पर बंद हुआ था।

ब्रोकरेज फर्म नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों पर भी बुलिश है, जिसके लिए 2300 रुपए का लक्ष्य है, जबकि यह 2061.85 रुपए पर बंद हुआ था। मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में एनबीएफसी सेक्टर से बजाज फाइनेंस को भी चुना गया है, जिसका टारगेट 1250 रुपए है (मौजूदा भाव 1120.35 रुपए)। पांच शेयरों की इस सूची में अंतिम नाम टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल का है, जिसके लिए 2395 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 2140 रुपए पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार, इन कंपनियों का मजबूत प्रदर्शन और सकारात्मक आउटलुक निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर सकता है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने लॉन्च किया अदाणी रिवॉर्ड्स

- मुंबई, जयपुर सहित आठ एयरपोर्ट्स पर सुविधा उपलब्ध

जयपुर ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अदाणी रिवॉर्ड्स नामक एक नया और उन्नत सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। मुंबई, नवी मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम सहित कंपनी द्वारा संचालित आठ हवाई अड्डों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी, जिसके तहत सदस्य सालाना 65,000 रुपये तक के आकर्षक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह नया कार्यक्रम अदाणी वन ऐप के साथ एकीकृत है और सदस्यता की श्रेणी के आधार पर कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें खरीदारी और खानपान पर विशेष छूट, एयरपोर्ट लाउंज में निःशुल्क प्रवेश, सुरक्षा जांच के लिए प्राथमिकता, सुविधाजनक पार्किंग विकल्प और यात्रियों को उनकी आवश्यकतानुसार विशेष हवाई अड्डा सहायता शामिल हैं। एएएचएल के एक अधिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले अदाणी रिवॉर्ड्स 1.0 कार्यक्रम को मिली शानदार प्रतिक्रिया (70 लाख सदस्यों) ने यह दर्शाया कि यात्रियों की रुचि अब केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हवाई अड्डों पर मिलने वाली सेवाओं से भी गहरा जुड़ाव चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह उन्नत कार्यक्रम यात्रा, खुदरा खरीदारी, खानपान और आतिथ्य सेवाओं से जुड़े सभी लाभों को एक ही मंच पर एकीकृत करता है, जिससे यात्रियों को एक सहज और समृद्ध अनुभव मिल सके। यह कार्यक्रम हवाई अड्डे को सिर्फ एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक जीवनशैली गंतव्य के रूप में स्थापित करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र



ललित गर्ग

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर



सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी।

दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा ऑडिट की तत्काल जरूरत है। वास्तव में इन इमारतों की निगरानी किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा करायी जानी चाहिए। इसी क्रम में जोखिम की स्थिति वाली इमारतों की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही उन बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों के लिये वैकल्पिक आवासों की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले मकान मालिकों,ठेकेदारों और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए। इसके अलावा बिल्डिंग बॉयलॉज के व्यापक उल्लंघन से निपटने के लिये सख्त कार्रवाई की भी जरूरत है।

सूक्ति

जबतक कष्ट सहने की तैयारी नहीं होती तब तक लाभ दिखाई नहीं देता। लाभ की इमारत कष्ट की धूप में ही बनती है।
- विनोबा भावे

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुज़र कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।
- रामधारी सिंह दिनकर

धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में धर्मावलम्बी?



निर्मल रानी

स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था एयर आईक्यू की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान एयर आईक्यू की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत AQI 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने मरी हुई मछलियों का वीडियो जारी करते हुए कहा कि नदी में अत्यधिक प्रदूषण के कारण हज़ारों मछलियों की मौत हुई है और सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये तस्वीरें यमुना की सफ़ाई को लेकर किए गए सरकारी दावों की पोल खोलती हैं।

निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस क़द्र झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ के अवसर पर डुबकी लगाते हुये देखा।

इंदिरा गांधी: जिनके फैसलों ने बदल दी भारत की राजनीतिक तस्वीर



योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी...

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी: शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।

साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे



कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुई ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्तूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

जानकारी

गर्भावस्था के दौरान इन 5 खतरों से रहें सावधान

गर्भावस्था के नौ महीने महिलाओं के लिए बड़े उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, इस दौरान महिलाओं को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तनाव, वजन बढ़ना, सिर में दर्द होना, मॉर्निंग सिकनेस, भूख न लगना, अनिद्रा जैसी कई परेशानी से माहिलाओं का सामना होता है। लेकिन इन सामान्य समस्याओं के साथ गर्भावस्था के इन नौ महीनों में कुछ खतरे भी होते हैं जिनके बारे में गर्भवती महिला को जानना बहुत जरूरी है, जिससे वह गर्भपात की संभावना को रोक सके। विस्तार से जानें खतरों के बारे में।

गर्भावस्था के खतरों को पहचानें

- यह जरूरी है कि गर्भावस्था के साथ ही आप गर्भावस्था के खतरों को पहचान लें।



हालांकि चिकित्सक आपको कुछ संकेत बता देंगे जिससे कि आप गर्भावस्था के खतरों को पहचान सकेंगे और इन स्थितियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

- लेकिन एक सवाल जो कि हर गर्भवती महिला करती है वो यह है कि तत्काल चिकित्सा के लक्षण और डाक्टर से मिलने तक की प्रत्याशा को अलग कैसे किया जाए। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि कुछ ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।
- गर्भ के तीसरे महीने के दौरान असहनीय सरदर्द, कभी-कभी आंखों से साफ न दिखना, पेट में सूजन और आंतों में दर्द।
- इस प्रकार के लक्षण ब्लड प्रेशर के बने से या यूरीन में प्रोटीन की अधिक मात्रा से हो सकते हैं और यह लक्षण अक्सर गर्भावस्था के 20वें हफ्ते में होती है।

फीटल किक पर ध्यान दें

- विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि अगर बच्चा गर्भ में अधिक घूम नहीं रहा है तो इसका अर्थ है कि उसे प्लेसेन्टा से पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन नहीं मिल रहा है।
- फीटल किक को गिनकर भी आप बच्चे की गति का अंदाज लगा सकते हैं, लेकिन ऐसी कोई निश्चित गिनती नहीं है कि बच्चे को कितनी फीटल किक करना चाहिए। मोटे तौर पर आपको सिर्फ बच्चे की गति पर ध्यान देना चाहए। बच्चे की गति में किसी अजीब परिवर्तन की स्थिति में चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी हो जाता है।

गर्भावस्था में अधिक पानी आना

फ्लू के सामान्य लक्षण
डायरिया, गले में दर्द ,सर्दी खांसी ,और सर्दी, कमजोरी, नाक का बहना, उल्टियां आना

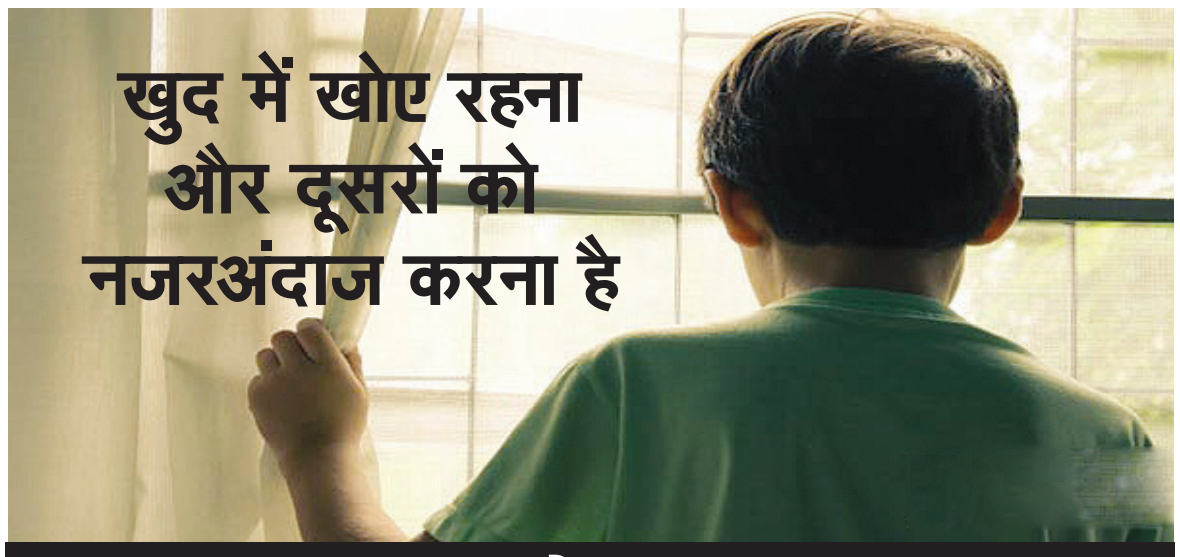
- कभी-कभी ऐसा एहसास होता है जैसे यूरीन की जगह पानी आ रहा है, लेकिन यह सिर्फ यूटेरस के सूजे होने और ब्लैडर के भारीपन से होता है। वास्तव में यह अलग-अलग स्थितियों पर निर्भर करता है। कभी-कभी यह भाप की तरह निकलता है।
- अगर पानी अधिक समय तक निकलता है तो शायद आपकी पानी की थैली फट गई और ऐसे में आपको तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।
- गर्भावस्था के दौरान अधिक उल्टियों का ऐसा आना कि आप कोई भी काम ना कर सकें खतरनाक हो सकता है । आप कुपोषण के शिकार हो सकते हैं। इससे आगे चल कर पानी कि कमी हो सकती है और बच्चे के जन्म के दौरान परेशानियां भी हो सकती हैं।

गर्भावस्था में फ्लू के संकेत

- ऐसा माना गया है कि प्रेग्नेंट महिलाओं में फ्लू का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में अधिक रहता है। इसका सामान्य कारण है प्रेग्नेंसी से शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाती है। ऐसे में फ्लू से होने वाली परेशानियां भी ब जाती हैं।

गर्भावस्था में रक्त की कमी

विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान खून अलग-अलग समय पर अलग परिभाषा देता है। अगर आपको मासिक धर्म के समय दर्द होता है या पेट में बहुत तेज दर्द होता है तो यह अस्थानिक गर्भावस्था (ऑक्टोपिक) के लक्षण हो सकते हैं। इस तरह का गर्भ तब होता है जब अण्डे यूटरस के बाहर निषेचित हो जाते हैं और इससे शुरुआत के 3 महीनों के दौरान सुस्ती का अनुभव होता है। अगर आप बहुत ही असहज महसूस कर रहे हैं तो ऐसे में अपनी आंतरिक भावनाओं को समझें और अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें।



खुद में खोए रहना और दूसरों को नजरअंदाज करना है

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर

आपका बच्चा अगर अपने बेडरूम और स्टडी में ज्यादा समय बिताने लगा है और लोगों से मिलने-जुलने से दूर भागता है, तो उसे 'अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर' हो सकता है। इस डिसऑजर के कारण बच्चे लगातार अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों और ज्यादा दोस्त बनाने से बचते हैं। अक्सर लोग ऐसे बच्चों को पहले शर्मीला समझते थे और सोचते थी कि ऐसे बच्चे ज्यादा बात करना नहीं पसंद करते। पर ऐसा न हो कि आप अपने बच्चे को लेकर यही सोचते रहें और उसमें अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर बढ़ता चला जाए। 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में किए गए चार सामान्य जनसंख्या अध्ययन ने पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के लिए विशिष्ट मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग किया था और तब लगभग 5 प्रतिशत लोगों में ही पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के कुछ लक्षण पाए गए थे। पर अब इस तरह के पर्सनैलिटी डिसऑर्डर भारत में 13.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। अब ऐसे में जरूरी है कि हम अपने बच्चों के स्वभाव पर हमेशा गौर करें और ध्यान देते रहें।

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर कितना आम है?



यह अनुमान है कि भारत में लगभग 2.5 प्रतिशत लोगों को अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर है। यह पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से प्रभावित करता है पर अब ये बच्चों में बड़ी तेजी से फैल रहा है। यह आमतौर पर बचपन में ही शुरू होता है, जो बड़े होने के साथ बढ़ता ही जाता है। 18 वर्ष की आयु से कम उम्र के बच्चों में ये बीमारी अब गंभीर रूप ले रही है। डॉ. प्रखर सिंह की मानें तो अभी तक इस डिसऑर्डर सटीक कारण पता नहीं चला है। हालांकि, यह माना जाता है कि आनुवांशिकी, पर्यावरण और उनका बचपन कैसा बीता है, इन सभी कारकों पर इस पर असर पड़ सकता है।

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के लक्षण क्या हैं?

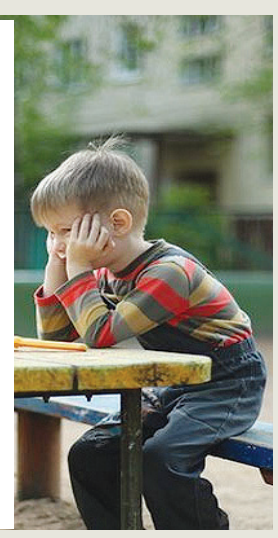
इस विकार वाले लोगों के लिए, अस्वीकृति का डर इतना मजबूत है कि वे रिश्ते में जोखिम को अस्वीकार करने के बजाय अलगाव का चयन करते हैं। इस विकार वाले लोगों में व्यवहार का पैटर्न भिन्न हो सकता है। अपमान और अस्वीकृति के उनके डर के अलावा, इस विकार वाले लोगों के अन्य सामान्य लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं।

- बचपन से अकेले रहना या मां-बाप का उनपर कम ध्यान देना भी बच्चों को इस डिसऑर्डर का शिकार बनाता है।
- वे आलोचनात्मक या अस्वीकृति से आसानी से आहत होते हैं।
- करीबी दोस्त और कुछ परिवार वालों के अलावा सबसे अलग हो कर रहना।
- नए लोगों व रिश्तेदारों से घबराना।
- लोगों से मिलने में अत्यधिक चिंता (घबराहट) और सामाजिक सिटिंग्स में भय का अनुभव करना।
- सामाजिक स्थितियों में शर्मीले, अजीब व आत्म-जागरूक होना।
- नया करने या चांस लेने से डरना।
- एपीडी का इलाज क्या है?
- एपीडी के इलाज के लिए, आप उपचार के निम्नलिखित तरीकों का विकल्प चुन सकते हैं।

मनोचिकित्सा: संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी एपीडी के लिए एक उपचार विकल्प है, जिसमें डॉक्टर इस बात पर विचार करते हैं कि किसी की सोच पैटर्न और विचार प्रक्रिया को कैसे बदला जाए, इस प्रकार बच्चे के कार्यों व सोच को प्रभावित किया जा सकता है।

साइकोडायनामिक मनोचिकित्सा: साइकोडायनामिक थेरेपी में आपके अचेतन विचारों से अवगत कराना शामिल है। यह आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि आपके अतीत के अनुभव आपके व्यवहार को कैसे तय करते हैं। आपके पिछले भावनात्मक दर्द इस तकनीक से हल किए जा सकते हैं ताकि आप अपने जीवन को आगे बढ़ा सकें। इसमें मां-बाप, भाई-बहन, दोस्त और अन्य परिवार वालों की मदद ली जाती है।

दवाएं: अवसाद और चिंता के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एंटी-डिप्रेसेंट दवाएं एपीडी के इलाज के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।



सेहत

सीने में जकड़न या छाती में दर्द 'सिवियर अस्थमा' के हैं लक्षण

अस्थमा एक पुरानी फेफड़े की स्थिति है जिसमें वायुमार्ग में सूजन हो जाती है या सांस लेने में कठिनाई होती है। पांच से दस प्रतिशत अस्थमा रोगियों में गंभीर अस्थमा का निदान किया जाता है। कुछ लोग अस्थमा और सिवियर अस्थमा को एक ही समझते हैं, जबकि इन दोनों में थोड़ा अंतर है। डॉक्टर सतीश कौल के मुताबिक, अस्थमा और सिवियर अस्थमा के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर सूजन की प्रकृति है, जो मुख्य रूप से अस्थमा में ईसिनोफिलिक और सीडी 4-संचालित है, और गंभीर अस्थमा में न्यूट्रोफिलिक और सीडी 8-चालित है। सिवियर अस्थमा फेफड़े से संबंधित एक गंभीर रोग है, जिसमें कई लक्षण दिखाई देते हैं। गंभीर या सिवियर अस्थमा एक पुरानी फेफड़े की स्थिति है जिसमें वायुमार्ग में सूजन हो जाती है या सांस लेने में कठिनाई होती है। पांच से दस प्रतिशत अस्थमा रोगियों में गंभीर अस्थमा का निदान किया जाता है।

सिवियर या गंभीर अस्थमा के लक्षण

- बार-बार खांसी आना, जो रात में, खेलते समय, या हँसते या रोते समय हो सकता है।
- एक पुरानी खांसी (जो एकमात्र लक्षण हो सकती है)
- खेलने के दौरान कम ऊर्जा।
- तेजी से सांस लेना (समय-समय पर)
- सीने में जकड़न या छाती में दर्द की शिकायत।



सिवियर अस्थमा से बचाव कैसे करते हैं

बच्चे एक स्पेसर के साथ एक इनहेलर का उपयोग करके दोनों दवाएं ले सकते हैं, या एक होल्डिंग चैंबर नामक एक उपकरण, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि सभी दवा फेफड़े तक पहुंचती है। एक अन्य विकल्प एक नेबुलाइज़र है- एक मशीन जिसमें कंप्रेसर ट्यूबिंग और दवा देने में मदद करने के लिए एक मुखौटा शामिल है। यह नर्स या फार्मासिस्ट आपको सिखा सकता है कि दोनों का उपयोग कैसे करें, इसलिए आप यह निर्धारित कर सकते हैं कि आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा क्या काम करता है।

ये दवाएं- जिन्हें लघु-अभिनय ब्रोन्कोडायलेटर्स कहा जाता है- अस्थमा के लक्षणों और तुरंत चार से छह घंटे तक राहत प्रदान करते हैं। एल्ब्युटेरोल (प्रायर एचएफए, वेंटोलिन एचएफए, अन्य) अस्थमा के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लघु-अभिनय ब्रोन्कोडायलेटर है। लेवलब्यूटेरोल एक और है। हालाँकि ये दवाएं जल्दी काम करती हैं, लेकिन ये आपके बच्चे के लक्षणों को वापस आने से रोक नहीं सकते हैं। यदि आपके बच्चे में बार-बार या गंभीर लक्षण होते हैं, तो उसे एक लंबे समय तक नियंत्रण वाली दवा लेने की आवश्यकता होगी जैसे कि एक सांस की कॉर्टिकोस्टेरॉइड।

वहीं जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेन्द्र सिंह कहते हैं कि ब्रोन्कोस्कोप की मदद से मरीज की सांस नली में एक पतला कैथेरेटर डाला जाता है, यह एक हीट एनर्जी देने वाला इंस्ट्रूमेंट आया है। बढ़े हुए कोमल मांसपेशियों को कम करने के लिए इस कैथेटर को सांस नली के आखिरी छोर तक पहुंचाया जाता है। इस क्षेत्र को धीरे-धीरे गर्म करने और मांसपेशियों को सिकोड़ने के लिए, हर 10 सेकंड के बाद इसे सांस नली से बाहर निकाला जाता है। जब सांस नली चौड़ी होती है तो मरीज के लिए सांस लेना आसान होता है, अस्थमा का अटैक कम हो जाता है। 'बीटी' सौ प्रतिशत इलाज नहीं है , लेकिन यह प्रक्रिया दवाओं पर मरीजों की निर्भरता को कम कर देता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

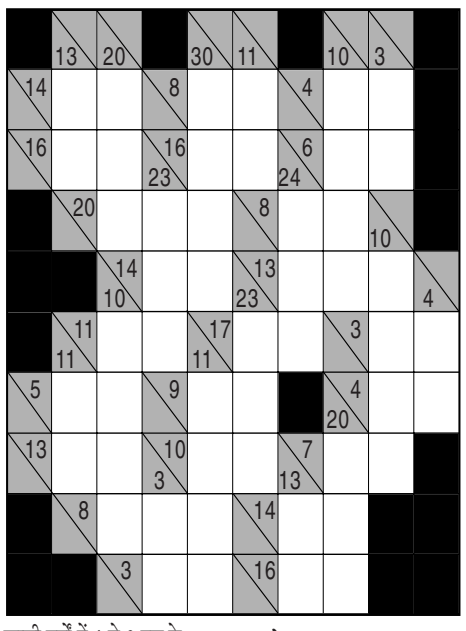
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

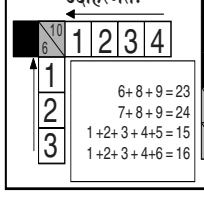
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 2651

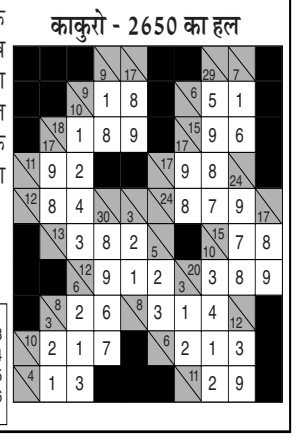


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2650 का हल



हंसी के फव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा-'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया-'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

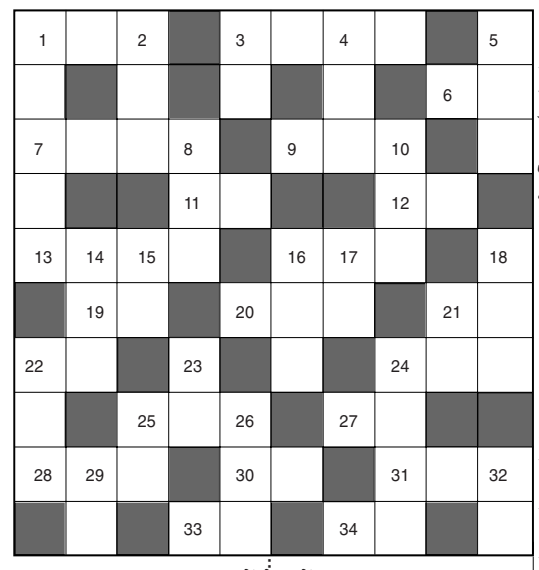
प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2651



बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2650

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रो		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -2651

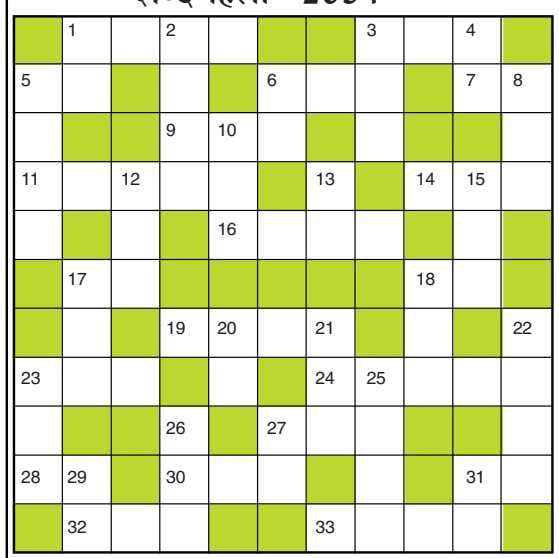
6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2650 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 2651



बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -2650 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		बी		रं			शे
र		प	र	व	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			बा			ज	बा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गै	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खें			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27-28 को हरियाणा के सूरजकुंड में

नई दिल्ली , एजेंसी। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27 और 28 नवंबर को हरियाणा के सूरजकुंड में होगी इसमें पार्टी के नेता जुटेंगे। दो दिन तक चलने वाली इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संगठन से जुड़े अहम मामलों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख मंच होती है। इससे पहले बीजेपी ने यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मथुरा में दो दिवसीय योजना बैठक की थी। यह बैठक 16 और 17 नवंबर को परखम गांव में हुई थी। इसमें सीएम योगी, दोनो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत पार्टी के 54 वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मथुरा की बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई थी। युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, अब तक बीजेपी से दूर रहे सामाजिक वर्गों को जोड़ने का मुद्दा भी उठा था। इसके साथ ही सरकार की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया था। अब बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक हरियाणा के सूरजकुंड में 27-28 होने जा रही है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा घटी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के पांच प्रमुख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा कम की है। उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा विभाग ने कम दृश्यता को देखकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोहरे की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह शीतकालीन गति सीमा 15 नवंबर, 2026 से लेकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान, सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे तक नई नियम लागू रहने वाले है। इसके तहत, कारों के लिए अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है, जबकि यात्री बसों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा और मालवाहक ट्रकों के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित किया गया है। जिन पांच एक्सप्रेसवे पर नियम लागू, उसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। यह कदम कोहरे के कारण होने वाले गंभीर हादसों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनमें अक्सर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। गति सीमा कम होने से चालकों को आपात स्थिति में वाहनों को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश यातायात निदेशालय ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे ठंड और कोहरे के मौसम में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करें।

सीएम योगी के गृह क्षेत्र में सपा की पदयात्रा पर बीजेपी ने कसा तंज कहा- 2047 तक सत्ता में नहीं आ सकते अखिलेश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है। सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके ही गृह क्षेत्र में राजनीतिक चुनौती देने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर में करीब 20 किलोमीटर लंबी एक भव्य रोड शो और पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसको लेकर बीजेपी ने तंज कसा है और कहा कि बीजेपी को अखिलेश की पदयात्रा से कोई चिंता नहीं है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सत्ता में नहीं आ पाएगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव चाहे गोरखपुर, सैफई या लखनऊ में कहीं भी यात्रा निकाल लें, सपा का भविष्य पहले भी अंधकार में था, आज भी है और आगे भी रहेगा। समाजवादी पार्टी 2047 तक उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने के सपने तो देख सकती है, लेकिन असल में वे सत्ता में नहीं आ सकते। अखिलेश यादव यह बात बहुत अच्छी तरह जानते हैं। बता दें यूपी में 2027 के फरवरी या मार्च में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजेपी ने 255 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी, जबकि मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटें जीती थीं। अब जहां बीजेपी विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रही है।

ऐसे बयान भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है

आर्थिक आपदा वाले बयान पर बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर पटलवार

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारत आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। उनके इस बयान पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीखा हमला बोला और उन पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र और देश की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के इस बयान की आलोचना करते हुए बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का दुनिया भर में सम्मान है। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार विदेश जाकर भारत के खिलाफ बोला है!...एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी खुद एक आपदा हैं!

राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि भारत में राहुल गांधी की कोई बात नहीं सुनता, इसलिए वे विदेश जाकर ऐसी बातें करते हैं। घोष ने कहा कि एक अंधे व्यक्ति को दिन में भी अंधेरा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 सालों से लोग खुश हैं। केवल सत्ता के भूखे लोग ही दुखी हैं।

बता दें राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक गंभीर आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जिसका कारण व्यापक बेरोजगारी और देश की शिक्षा प्रणाली को लेकर गहरी चिंताएं हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक सभा को संबोधित



करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भी एक बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में ढहती इमारतें: जानलेवा लापरवाही का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इमारतों के ढहने का जानलेवा सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में रेलवे लाइन के पास एक करीब 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबने से तीन साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना राजधानी में पुराने और असुरक्षित भवनों की निगरानी व्यवस्था पर फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह महीनों में दिल्ली में इमारतों के ढहने के सात बड़े हादसे सामने आए हैं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से प्रशासन की जर्जर भवनों की पहचान, उनकी मरम्मत या उन्हें खाली कराने की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। ज्वाला नगर में गिरी इमारत करीब चार दशक पुरानी थी और जानकारी के अनुसार, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की थी। बताया गया कि करीब 700 गज की जमीन पर बने इस परिसर में 30 कमरे थे और करीब 70 किरायेदार रहते थे, जो इमारत की क्षमता और उसकी मौजूदा स्थिति को लेकर संदेह पैदा करता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह इमारत नगर निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल नहीं थी। उत्तर-पूर्वी निगम जोन के अधिकारी ने पुष्टि की कि भवन निगम के रिकॉर्ड में खतरनाक इमारत के तौर पर दर्ज नहीं था, जिससे भवनों के सर्वे और निगरानी की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल खड़ा होता है। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण पुराने मकानों में बड़ी संख्या में किरायेदार मजबूरन रह रहे हैं। कई जगह भवनों में जरूरत से ज्यादा कमरे बनाकर किराये पर दिए जाते हैं।

अयोध्या और नेपाल के जनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा का होगा शुभारंभ

● पीएम मोदी और बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी से होकर नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण ट्रेन का शुभारंभ 23 नवंबर को होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। माना जा रहा है कि यह सेवा नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान शुरू होगी, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।



यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या को माता सीता से जुड़े स्थल जनकपुर और सीतामढ़ी से जोड़ने वाले मार्ग से तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अपने सफर के दौरान यह ट्रेन कुल 10 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर तथा बिहार के नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इसके बाद यह ट्रेन जयनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर जनकपुर धाम पहुंचेगी। रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी और वापसी में हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि इस सीमा पार ट्रेन सेवा के शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ पढ़ाई, व्यापार और काम के सिलसिले में आने-जाने वाले लोगों के लिए यात्रा बेहद सुगम हो जाएगी। इस रूट पर स्थित दोनों देशों के प्रमुख शहरों में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले: शिक्षा, सुरक्षा और न्याय पर व्यापक प्रभाव

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के गृह, उच्च व तकनीकी शिक्षा, वस्त्र उद्योग और विधि व न्याय विभागों से संबंधित कई बड़े निर्णय लिए गए।

इन फैसलों में, सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए नकद इनाम योजना शुरू करने का अहम फैसला शामिल है। इस पहल का उद्देश्य ऐसी गुप्त सूचनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे राज्य में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सके।

इसके अलावा, राज्य में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महाराष्ट्र पब्लिक यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2016 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिल सकेगी।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने राज्य की इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री पॉलिसी में भी संशोधन को स्वीकृति दी। इस निर्णय के तहत, पालघर जिले को अब जोन-1 में शामिल किया जाएगा, जबकि जोन-4 को रद्द कर विस्तार के नियमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इन संशोधनों से पालघर में वस्त्र संबंधी व्यापार और निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

न्यायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने पालघर जिले में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के साथ-साथ चीफ मजिस्ट्रेट कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, पालघर में सरकारी वकीलों के कार्यालय और उनसे संबंधित सहायक पदों के सृजन को भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन फैसलों से पालघर जिले में न्यायिक प्रशासन मजबूत होगा और आम लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सकेगा।

पंजाब चुनाव: शिअद से गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : पाटिल

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी सी आर पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ संभावित गठबंधन का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा, न कि वे स्वयं। केंद्रीय मंत्री पाटिल का यह बयान तब आया है जब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा और शिअद के फिर से साथ आने की अटकलें तेज हैं। दोनों दलों का 24 साल पुराना गठबंधन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में टूट गया था, हालांकि अब वे कानून निरस्त हो चुके हैं।



अपने पंजाब दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री पाटिल ने चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय का दौरा किया, जहां उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, सांसद सतनाम सिंह संधू सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में चुनावी सफलताओं का हवाला देकर दावा किया कि पार्टी पंजाब में भी जीत हासिल करेगी।

गठबंधन की संभावनाओं पर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा, यह फैसला पार्टी नेताओं को करना है। हमारे नेता इस बारे में निर्णय लेने वाले है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक कार्यकर्ता हैं और गठबंधन को लेकर शिअद के साथ किसी भी बैठक की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साथ किसी भी बातचीत से इंकार कर कहा कि अगर कोई बातचीत होनी है, तब वह पार्टी के वरिष्ठ नेता करने वाले हैं, इसमें उनकी कोई दखल नहीं है।

राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधकर कहा कि पंजाब के लोग मौजूदा हालात से वाकिफ हैं और इस सरकार से छुटकारा पाना चाहते हैं। करतारपुर गलियारे को फिर से खोलने के मुद्दे पर उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि भविष्य में भी सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा।

होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हमला, 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाला

दो घायल, एक लापता, भारत ने जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को बताया चिंताजनक

नई दिल्ली , एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक और व्यावसायिक जहाज को निशाना बनाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि इस सप्ताह की शुरुआत में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर एमटी तारा गैस पर हुए हमले के बाद चालक दल में शामिल एक भारतीय नागरिक लापता हो गया है, जबकि दो अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गए। राहत की बात यह है कि टैंकर पर सवार सभी 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित रेस्क्यू कर निकाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हुए हमले की निंदा की है। साथ ही, भारत ने एक बार फिर मांग दोहराई है कि व्यावसायिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद किया जाए। मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित खसाब पहुंचा दिया गया है। घायल हुए दो भारतीय चालक दल के सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अभी भी लापता बताया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास, ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर चल रहे खोज और बचाव अभियान पर नजर रख रहा है। भारत ने कहा कि हम बचाव कार्यों में ओमान सरकार द्वारा दी गई त्वरित मदद और सहयोग की सराहना करते हैं। नई दिल्ली ने कहा कि इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये नागरिक नाविकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना किसी रुकावट के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 10 नवंबर को लाइबेरिया के झंडे वाला फुजैराह एनर्जी जिस पर 6 भारतीय नाविक सवार थे - अल रुवाइस से दुबई जाते समय फारस की खाड़ी में प्रोजेक्टाइल की चपेट में आ गया था। इस हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए थे, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी



शामिल है। उसे मामूली चोटें आई हैं और आगे की चिकित्सीय जांच के लिए सुरक्षित रूप से किनारे पर ले आया गया है। चालक दल के बाकी 18 सदस्य, जिनमें अन्य 5 भारतीय नाविक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं और सभी का पता चल गया है।

पंजाब में भाजपा की समरसता संकल्प यात्रा का आगाज़, आप पर निशाना

जालंधर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब के जालंधर में समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। भाजपा नेताओं ने दौरे का मकसद सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के कुशासन से राज्य को बचाना और पंजाब को फिर से सही रास्ते पर लाना बताया। जालंधर जिले के आदमपुर स्थित गुरु रविदास जी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका स्वागत पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों और पार्टी प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने किया।

बीजेपी प्रवक्ता शेरगिल ने बताया कि यह यात्रा गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के सम्मान में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा, नितिन नवीन पंजाब की पवित्र भूमि से प्रार्थना करने वाले हैं कि राज्य को आप के कुशासन से बचाया जा सके, जिस सरकार ने राज्य को नशीले पदार्थों, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के अंधेरे में धकेल दिया है। वे गुरु रविदास महाराज जी से पंजाब का पुराना गौरव वापस लौटने और राज्य को पूरे भारत में फिर से नंबर एक बनाने की भी प्रार्थना



करने वाले है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने बताया पंजाब से शुरू हुई यह यात्रा चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित कुल सात राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 3 दिसंबर को वाराणसी में समाप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समापन कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है। बीजेपा नेता अश्वनी सेखरी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास जी से जुड़ी घटनाओं को मनाना और उनके दिए गए आदर्शों व शिक्षाओं का सम्मान करना है। भाजपा के अनुसार, समरसता संकल्प यात्रा 3 दिसंबर तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में संत रविदास जी के संदेश का प्रसार करेगी। यह आयोजन तब हो रहा है जब भाजपा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को साल भर चलने वाले एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है।

दिल्ली में एक्यूआई का स्तर सुधरा, लोगों ने ली राहत की सांस, 11.6 डिग्री रहा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में मंगलवार को नवंबर की अब तक की सबसे साफ हवा दर्ज की गई और एक्यूआई 204 रहा। इस बीच शहर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह रही और सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा। इस महीने 'खराब' श्रेणी में 204 के एक्यूआई के साथ दिल्ली की हवा सबसे बेहतर रही। इससे कई दिनों से बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। बता दें इससे पहले दिल्ली में 31 अक्टूबर को एक्यूआई 117 दर्ज किया गया था, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। आंकड़े दर्ज करने वाले 58 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 31 'खराब' श्रेणी में रहे, 26 में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' दर्ज की गई, जबकि एक केंद्र, सिरीफोर्ट में 303 एक्यूआई के साथ वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। दिल्ली में नवंबर के ज्यादातर समय धुंध छाई रही और प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा।

बर्ड फ्लू से मुर्गियों को छह माह की सुरक्षा: भोपाल में देश का पहला स्वदेशी टीका तैयार

भोपाल, एजेंसी । भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी बर्ड फ्लू (एच5एन1) टीका विकसित कर पोल्ट्री उद्योग को बड़ी राहत दी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (आईसीएआर-एनआईएचएसएडी) द्वारा तैयार किया यह टीका 20 नवंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में लांच किया जाएगा। इस निष्क्रिय टीके की एक खुराक मुर्गियों को छह महीने तक बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से सुरक्षित रखेगी।

यह टीका विशेष रूप से एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफप्रभावी है, जो भारत में मुर्गियों को संक्रमित करने वाला प्रमुख स्ट्रेन है। अब तक, इस विशिष्ट स्ट्रेन के खिलाफ कारोबारी उपयोग के लिए कोई स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली (लेयर्स) और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली (ब्रीडर्स) मुर्गियों में बेहद सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

एच5एन1 वायरस मुर्गियों के लिए बेहद घातक साबित होता है, जिसके संक्रमण से किसी भी पोल्ट्री फार्म में लगभग 100 प्रतिशत तक मुर्गियों की मौत हो सकती है। बीमारी फैलने पर संक्रमण रोकने और बड़े आर्थिक नुकसान से बचने के लिए प्रभावित क्षेत्र में हजारों मुर्गियों को मारना पड़ता है। भारत में 2006 में पहली बार बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था और तब से देश में 500 से अधिक बार संक्रमण के मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिससे पोल्ट्री किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ी है।

यह नया टीका न केवल पोल्ट्री उद्योग को करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान से बचाएगा, बल्कि इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के खतरे को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुर्गियों में संक्रमण के प्रसार को रोकने से मनुष्यों में वायरस फैलने की संभावना भी कम होगी, हालांकि नियमित निगरानी और फार्मों में जैव सुरक्षा उपाय भी जरूरी होगा। चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों के टीके भारतीय वायरस स्ट्रेन के लिए पूरी तरह कारगर नहीं थे, जिससे इस स्वदेशी टीके का महत्व और बढ़ जाता है। इस टीके का उपयोग व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से पशु चिकित्सकों की देखरेख में किया जाएगा, जो देश के पशुधन स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा



होबार्ट । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है। ' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे। '

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तसीगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।



पहला टेस्ट आज से



'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स । निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।

फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।



साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।





आवारा पागल दीवाना 2 पर बोले सुनील शेट्टी

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

सुनील शेट्टी ने हाल ही में बातचीत में फिल्म 'आवारा पागल दीवाना 2' के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है।' इस पर उनसे सवाल हुआ कि क्या इसकी शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है? इसके जवाब में शेट्टी ने कहा कि हां ऐसा हो सकता है।

सफलता से खुश हैं अभिनेता

इस बातचीत में आगे सुनील शेट्टी ने 2026 के प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने बॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रेंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। साथ ही, भारत के सुपर फाउंडर्स के पहले सीजन की सफलता से भी मुझे बहुत खुशी है।'

साल 2002 में रिलीज हुई आवारा पागल दीवाना का निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया था और फिल्म को सारे किरदार काफी मजेदार थे। सुनील शेट्टी के अलावा, इस एक्शन – कॉमेडी में अक्षय कुमार, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, अमृता अरोरा, आरती छाबड़िया, प्रीति झंगियानी, सुप्रिया पिलगांवकर, ओम पुरी, जॉनी लीवर और राहुल देव ने अभिनय किया था। इतने सारे लोकप्रिय कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म में भरपूर कॉमेडी और एक्शन देखने को मिला था।



जॉन डो से ड्रीम डेब्यू कर भावुक हुईं सृष्टि सिंह

अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का



धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने एक कलाकार के रूप में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही मेरी तमिल भाषा प्रशिक्षक माधुरी मैम का भी आभार, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा को समझने और इस अनुभव को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में मदद की। इस यात्रा को सफल बनाने में हर व्यक्ति का योगदान रहा है। मैं इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना नहीं कर सकती थी और 'जॉन डो' हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगी।' अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले निर्मित इस ड्रामा फिल्म में अर्जुन दास, संचना नटराजन और सृष्टि सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा जारा विनीत, नीरव एस, बडावा गोपी, कार्तिक कुमार, अनुपमा कुमार और अर्चना चंदोके भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं। एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बेंचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

सलमान-अजय के साथ किया डेब्यू, 'आशिकी 2' ने आदित्य रॉय कपूर को दिलाई असली पहचान

अपनी शानदार पर्सनैलिटी, दमदार आवाज और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर आज लाखों लड़कियों के दिलों पर राज करते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि आदित्य कभी अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। उनका सपना तो एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था लेकिन किस्मत उन्हें क्रिकेट के मैदान से उठाकर फिल्मों की दुनिया में ले आई। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से की थी लेकिन उन्हें असली पहचान 'आशिकी 2' से मिली। आदित्य रॉय कपूर का जन्म 16 नवंबर 1985 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके दादा रघुपत रॉय कपूर 1940 के दशक में फिल्म निर्माता थे। वहीं, उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। उनकी शादी अभिनेत्री विद्या बालन से हुई है। आदित्य के दूसरे बड़े भाई कुणाल रॉय कपूर भी अभिनेता हैं। आदित्य की मां सलोमी रॉय कपूर (सलोमी आरोन) पूर्व मिस इंडिया और कोरियोग्राफर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके परिवार का मनोरंजन जगत से पुराना नाता रहा है। इसके बावजूद आदित्य ने कभी बचपन से अभिनेता बनने का सपना नहीं देखा था। आदित्य को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का बहुत शौक था। वह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की कोचिंग भी ली थी। हालांकि, छठी कक्षा के बाद उन्होंने कोचिंग छोड़ दी।

फिल्मों में आने से पहले आदित्य ने बतौर वीडियो जॉकी अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके मजाकिया अंदाज, बेबाक बातचीत और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'पकाऊ' और 'इंडियाज हॉटेस्ट' जैसे शो के जरिए वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फिल्मी दुनिया के लोगों से होने लगी और धीरे-धीरे उनके लिए फिल्मों के दरवाजे खुलने लगे। आदित्य ने साल 2009 में फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ने यह फिल्म बड़ा अभिनेता बनने के सपने के साथ साइन नहीं की थी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होनी थी और उन्हें वहां घूमने का मौका मिल रहा था। यही बात उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी। उस समय उनके लिए अभिनय से ज्यादा आकर्षण लंदन घूमने और गिटार बजाने का था। इसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी एक अभिनेता को तलाश होती है।

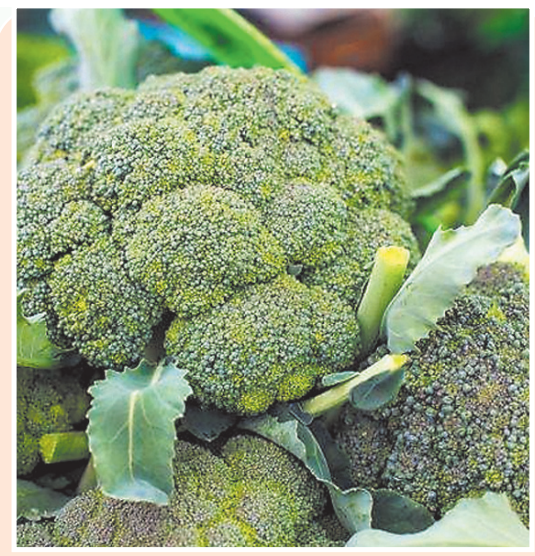
आदित्य रॉय कपूर की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव साल 2013 में आया, जब मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी 2' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। आदित्य ने फिल्म में राहुल जयकर नाम के एक ऐसे गायक का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी प्यार, दर्द और संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी और गानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं, आदित्य और श्रद्धा की केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई।



ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा





ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां



ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुनः रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1:-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1:

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।



उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ु और ढ़ुढ़ु, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

